संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

# घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 312 मंगलवार 16 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# आरजेडी-कांग्रेस से बिहार के सम्मान-पहचान को खतरा : पीएम मोदी

## इन्होंने राज्य की तुलना बीड़ी से की,भारत में भारत का कानून चलेगा,घुसपैठियों की मनमानी नही...

**पूर्णिया,15 सितम्बर 2025 (ए)।** पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार यानी 15 सितंबर को बिहार के लिए 40 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए। उन्होंने पूर्णिया एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। एयरपोर्ट के बाद पूर्णिया के एसएसबी ग्राउंड में प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा- कांग्रेस और राजद से बिहार के सम्मान के साथ पहचान को भी खतरा है। ये लोग बिहार की तुलना बीड़ी से करते हैं। एसआईआर का जिक्र किए बिना पीएम ने कहा- राजद और कांग्रेस घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्राएं निकाल रही हैं। प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन घुसपैठियों पर ताला लगाना एनडीए की पक्की जिम्मेदारी है। बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जो मेरे पहले यहां के चक्कर काटकर गए, उन्हें मखाना का नाम भी नहीं पता होगा। वे मंच तक खुली गाड़ी से लोगों का अभिवादन करते हुए पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी थे। इससे पहले नीतीश कुमार का संबोधन हुआ। उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पीएम को खड़े होकर प्रणाम करने को कहा। मुख्यमंत्री के कहने पर लोग खड़े हुए और उन्हें प्रणाम किया।

### 22 सितंबर से जीएसटी एकदम कम हो जाएगी : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, इस बार दिवाली और छठ से पहले हमारी सरकार में बड़ा उपहार दिया है। आज से ठीक 7 दिन बाद नवरात्र के पहले दिन 22 सितंबर से देश में जीएसटी एकदम कम हो जाएगी। आपकी रोजमर्रा के जरूरत की चीजों पर जीएसटी कम की गई है। इससे माताओं बहनों का रसोई का खर्च बहुत कम होने वाला है।

### हमारी सरकार में महिलाएं लखपति दीदी, ड्रोन दीदी बन रहीं : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस और राजद बीते 2 दशकों से सत्ता से बाहर है। इसमें अहम भूमिका बिहार माताओं-बहनों की है। राजद के राज में हत्या, बलात्कार होते थे। हमारी सरकार में वही महिलाएं लखपति दीदी और ड्रोन दीदी बन रही हैं।

### घुसपैठिए को भारत से बाहर जाना होगा : मोदी

पीएम मोदी ने कहा, राजद-कांग्रेस की जमात कान खोलकर सुन लो। जो भी घुसपैठिया है उसे बाहर जाना ही होगा। घुसपैठ पर ताला लगाना एनडीए की पक्की जिम्मेदारी है। जो नेता घुसपैठियों को बचाने के लिए खड़े हैं, वो सामने आ जाएं। चुनौती देता हूं आप उनकी ढाल बनिए मैं उन्हें बाहर निकालकर रहूंगा। भारत में भारत का कानून चलेगा।

### बिहार को राजद-कांग्रेस से खतरा : मोदी

कांग्रेस और राजद से न सिर्फ बिहार के सम्मान को खतरा है। बिहार की पहचान को भी खतरा है। वोट बैंक का स्वार्थ है कि कांग्रेस और राजद के लोग घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। नारे लगा रहे हैं। यात्राएं निकाल रहे हैं। ये बिहार के संसाधन और सुरक्षा दोनों को दांव पर लगाना चाहते हैं। राहुल गांधी पर पीएम ने निशाना साधा। बिना नाम लिए उन्होंने कहा, जो मेरे पहले यहां के चक्कर काटकर गए, उन्हें मखाना का नाम भी नहीं पता होगा।

### हमारी पार्टी के कुछ नेताओं ने गड़बड़ की थी : नीतीश

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने पीएम मोदी के सामने कहा , पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। बीच में गड़बड़ हो गया था। अब ये कभी संभव नहीं है कि गड़बड़ हो जाए। हमारी पार्टी के कुछ नेता गड़बड़ कर देते थे। अब मेरे इधर-उधर जाने का सवाल ही नहीं उठता है।

### आरजेडी और कांग्रेस के कुशासन से सीमांचल पिछड़ा : मोदी

पीएम मोदी ने कहा, देश के विकास के लिए बिहार का विकास जरूरी है। बिहार के विकास के लिए पूर्णया और सीमांचल का विकास जरूरी है। आरजेडी और कांग्रेस के कुशासन का सबसे ज्यादा नुकसान इसी क्षेत्र को उठाना पड़ा है। बिहार की डबल इंजन की सरकार किसानों की आय बढ़ाने का काम कर रही है।

## सुप्रीम कोर्ट का फैसला:वक्फ संशोधन कानून के इन प्रावधानों पर रोक

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025 (ए)।** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर पूरी तरह से रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी कानून की संवैधानिकता की धारणा होती है और उसे केवल अत्यंत दुर्लभ मामलों में ही रोका जा सकता है। हालांकि, कोर्ट ने वक्फ कानून के कुछ प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाई है। अब कलेक्टर को भी प्रॉपर्टी विवाद पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं होगा। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने सोमवार को इस मामले में अंतरिम राहत पर फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई को फैसला सुरक्षित रखा था। सोमवार को कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि कानून के संपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं है, लेकिन कुछ धाराओं पर अंतरिम संरक्षण जरूरी है। सीजेआई बीआर गवई ने कहा, हमने प्रत्येक धारा को दी गई प्रथम दृष्ट्या चुनौती पर विचार किया है। हमने पाया कि कानून के संपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगाने का कोई मामला नहीं बनता। हालांकि, कुछ धाराओं को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पूर्वधारणा हमेशा कानून की संवैधानिकता के पक्ष में होती है और हस्तक्षेप सिर्फ दुर्लभतम मामलों में किया जाता है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों का निर्णय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। कलेक्टर को ऐसी शक्तियों से संबंधित प्रावधान पर रोक रहेगी। इसके अलावा, कोर्ट ने फैसला दिया कि वक्फ करने के लिए 5 साल की इस्लाम की प्रैक्टिस करने की अनिवार्यता पर रोक लगाई जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ निकायों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के प्रावधान पर भी विचार किया। कोर्ट ने आदेश दिया कि वक्फ बोर्ड में 3 से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य शामिल नहीं किए जाने चाहिए। फिलहाल वक्फ परिषदों में कुल 4 से अधिक गैर-मुस्लिम शामिल नहीं किए जाएंगे।

## सीतारमण ने नीति आयोग की ओर से निर्मित फ्रंटियर टेक रिपॉजिटरी का भी शुभारंभ किया

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025 (ए)।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की एक रिपोर्ट जारी की। इसके अलावा उन्होंने नीति आयोग की ओर से निर्मित फ्रंटियर टेक रिपॉजिटरी का भी शुभारंभ किया। उन्होंने ऐसे नियामक उपायों की आवश्यकता पर बल दिया, जो तकनीकी नवाचार, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को जिम्मेदारी के साथ बढ़ावा दें, न कि उसे हतोत्साहित करें। वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण के साथ केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण,इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। नीति आयोग की यह रिपोर्ट विकसित भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ताः त्वरित आर्थिक विकास का अवसर विषय पर है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार न केवल एआई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में उनके जिम्मेदार अनुप्रयोग को भी सुनिश्चित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि एआई तेजी से प्रगति करने वाली, वास्तविक समय वाली, गतिशील चीज। इसलिए हम सभी को सचेत रहना होगा कि हम नैतिकता से पीछे न हटें, क्योंकि एआई की भी अपनी चुनौतियां हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अनुमान दर्शाते हैं कि जहां एक ओर एआई कई नई भूमिकाएं सृजित करेगा, वहीं दूसरी ओर विशेष रूप से लिपिकीय, नियमित और निम्न-कौशल वाले क्षेत्रों में कई मौजूदा नौकरियों को भी विस्थापित करेगा।

## झारखंड में एक करोड़ का इनामी नक्सली सहदेव सोरेन मारा गया,मुठभेड़ में दो अन्य भी ढेर

**हजारीबाग,15 सितम्बर 2025 (ए)।** हजारीबाग जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच सोमवार को बड़ी मुठभेड़ हुई। गोरहर थाना क्षेत्र के पाती पिरी जंगल में हुई इस मुठभेड़ में तीन कुख्यात नक्सली मारे गए। इनमें नक्सली संगठन की केंद्रीय समिति का सदस्य सहदेव सोरेन उर्फ परवेश भी शामिल है, जिस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियां इसकी तलाश में थीं। मुठभेड़ में कोबरा 209 और हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम ने भाग लिया।

### 2 जवान भी हुए हैं घायल

पुलिस और नक्सलियों के बीच चली इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं। ये अजय भौमिक 209 कोबरा बटालियन के सिपाही और सुब्रतो विश्वास कोबरा के जवान हैं। बरही अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया। दोनों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। सुब्रतो विश्वास पश्चिम बंगाल तो अजय भौमिक असम का रहने वाला है।

### ढेर हुए दूसरे बड़े नक्सली नेता

मुठभेड़ में मारा गया दूसरा नक्सली रघुनाथ हेंब्रम था,जो बिहार-झारखंड विशेष क्षेत्र समिति का सदस्य था। उस पर 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं तीसरा नक्सली बीरसेन गंझू उर्फ रामखेलावन था, जो क्षेत्रीय समिति का सदस्य था। उस पर 10 लाख रुपए का इनाम था। तीनों नक्सली लंबे समय से झारखंड और बिहार की सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय थे। तीनों कई बड़ी घटनाओं को अंजाम देने में शामिल रहे थे।

### हथियार बरामद,इलाके में सर्च ऑपरेशन

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से एके-47 सहित कई घातक हथियार बरामद किए हैं। हजारीबाग के एसपी अंजनी अंजन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों की गतिविधियों पर पूरी तरह से नजर रखी जा रही है। मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया गया है। सुरक्षाबलों की इस कार्रवाई से संगठन को करारा झटका लगा है। आने वाले दिनों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस की पकड़ और मजबूत होगी।

## सड़क हादसे में वित्त मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी की मौत...पत्नी की हालत गंभीर

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025 (ए)।** देश की राजधानी दिल्ली के धौला कुआं इलाके में शनिवार की रात एक भीषण सड़क हादसे में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में डिप्टी सेक्रेटरी नवजोत सिंह की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा मेट्रो पिलर नंबर 57 के पास उस समय हुआ, जब नवजोत सिंह अपनी पत्नी के साथ बंगला साहिब गुरुद्वारा से घर लौट रहे थे।

**प्रत्यक्षदर्शियों ने दी हादसे की जानकारी :** प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया की एक बीएमडब्ल्यू कार ने तेज रफ्तार में नवजोत सिंह की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पहले वह डिवाइडर से टकराया और फिर एक बस से जा भिड़ा। जिसके बाद दोनों पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए।

टक्कर मारने वाली कार में महिला चालक और उसका पति सवार थे। बताया जा रहा है कि कार में सवार दंपति ने हादसे के बाद कैब बुलाकर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन नवजोत सिंह को नहीं बचाया जा सका। उनकी पत्नी की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज भी जारी है।

## पंजाब में बाढ़ प्रभावितों से मिले राहुल गांधी,अमृतसर में डूबी फसलें-टूटे घर देखे,गुरदासपुर में पाक बॉर्डर से सटे गांवों में नहीं गए

**अमृतसर/गुरदासपुर,15 सितम्बर 2025 (ए)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी पंजाब दौरे पर रहे। वह सुबह करीब साढ़े 9 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर पहुंचे,जिसके बाद वह घोनेवाल गांव रवाना हुए। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की और डूबी फसलें व टूटे घर देखे। उन्होंने गुरुद्वारा बीड़ बाबा बुड्ढा साहिब में माथा भी टेका। इसके बाद वह गुरदासपुर के गुरचक्क गांव पहुंचे,जहां उन्होंने उस जगह का दौरा किया, जहां बांध टूटने से खेत और घर जलमग्न हो गए थे। उन्होंने किसानों से मुलाकात की और फिर ट्रैक्टर पर सवार होकर आधा किलोमीटर दूर खड़ी अपनी गाड़ी तक पहुंचे,जहां से वह पहले पैदल आए थे। इसके बाद उन्होंने दीनानगर में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उन्हें पाकिस्तान बॉर्डर से सटे 7 गांवों में जाना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से अधिकारियों ने उन्हें आगे न जाने की सलाह दी, जिसके बाद राहुल गांधी वापस चले गए। दोनों ही जिलों में राहुल ने मीडिया से कोई बात नहीं की। राहुल के साथ पंजाब कांग्रेस के

प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पंजाब कांग्रेस इंचार्ज भूपेश बघेल और विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा भी मौजूद रहे। पंजाब में बाढ़ से 23 जिलों के 2 हजार 97 गांव प्रभावित हुए हैं, और लगभग 1 लाख 91 हजार 926 हेक्टेयर में फसलें डूब गईं। 15 जिलों में 52 लोगों की मौत हो चुकी है। 6 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब का दौरा किया था और हालात को देखते हुए पंजाब को 1600 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था, जिसे पंजाब की मान सरकार ने नाकाफी बताया था।

### रावी नदी का बांध ठीक कराएंगे : राहुल

गुरदासपुर के गुरचक्क गांव के हरजिंदर सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने रावी नदी के ऊपर का बांध ठीक कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि वे दिल्ली में जाकर इसका मुद्दा उठाएंगे। हमारे गांव की 700 एकड़ जमीन जलमग्न हो गई है। राहुल गांधी से पहले कोई विधायक या मंत्री यहां नहीं आए।

### राहुल ने बड़े ध्यान से बात सुनी

गुरचक्क गांव के ही गुरमुख सिंह ने कहा कि राहुल गांधी से हमारी यही बात हुई है कि रावी नदी के बांध को मजबूत किया जाए, क्योंकि हर साल हमें इससे नुकसान होता है। इस गांव में आम आदमी पार्टी का कोई नेता नहीं पहुंचा। राहुल गांधी ने बड़े ध्यान से किसानों की बात सुनी।

## गड़बड़ी मिली तो एसआईआर रद्द करेंगे : सुप्रीम कोर्ट

### बिहार पर जो फैसला देंगे,वही पूरे देश पर लागू होगा

**पटना,15 सितम्बर 2025 (ए)।** सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार में वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि चुनाव आयोग प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है। नियमों की अनदेखी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा- हम यह मानकर चलेंगे कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को जानता है। अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो हम इसको देखेंगे। अगर बिहार में वोटर वेरिफिकेशन के दौरान चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत शर्मा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने स्पष्ट किया कि वह बिहार वोटर वेरिफिकेशन पर टुकड़ों में राय नहीं दे सकता। उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में वोटर वेरिफिकेशन पर लागू होगा।

## भारत की विकास यात्रा में स्थिरता पर कोई समझौता नहीं : उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025 (ए)।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत की विकास यात्रा में स्थिरता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि वैश्विक मानकों में सामंजस्य से गुणवत्ता, मुक्त व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल आयोग (आईईसी) की 89वीं आम बैठक एवं प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने एक सतत विश्व को बढ़ावा देना विषय पर बोलते हुए स्थिरता, सुरक्षा और दक्षता के

प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भारत के लिए स्थिरता पर कोई समझौता नहीं है और मानक उपभोक्ता सुरक्षा, प्रतिस्पर्धात्मकता और जलवायु उत्तरदायित्व के लिए एक रणनीतिक माध्यम हैं। गोयल ने कहा कि सरकार गुणवत्ता और स्थिरता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उद्योग ऊर्जा दक्षता और स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

# संपादकीय

## सोशल मीडिया प्रतिबंध पर प्रदर्शन...

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कुछ लोगों की मौत होने के बाद स्थिति काबू से बाहर हो गई है।पुलिस के साथ हुई झड़पों में खुद को जेन-जी यानी युवा पीढ़ी बता रहे 22 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। काठमांडू के अलावा पूर्वी शहर इटहरी में दो लोग मारे गए। जगह-जगह कर्फ्यू लगा है, सेना सड़कों पर है। भारी झड़प व मौतों के बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को राजी नहीं है। गृहमंत्री रमेश लेखक के बाद अब प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भी घटना के बाद इस्तीफा दे दिया है। सरकार की तरफ से मिले संकेतों के अनुसार जल्द ही सोशल मीडिया से बैन हटाया जा सकता है। सरकार के रवैये और भ्रष्टाचार के कथित आरोपों को लेकर युवाओं में जबरदस्त आक्रोश है। उग्र होते प्रदर्शन को देखते हुए संसद भवन,राष्ट्रपति भवन,प्रधानमंत्री आवास,शीतल निवास पर कर्फ्यू लगा है। अभी कुछ ही महीनों पहले नेपाल में राजशाही बहाल करने को लेकर आंदोलन हो चुका है। तब भी नाराज युवाओं द्वारा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने पिछले सप्ताह ही फेसबुक,इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे छब्बीस सोशल मीडिया व मैसेजिंग प्लेटफार्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का आरोप है,ये सोशल मीडिया कंपनियां कानूनों का पालन करने में कोताही कर रही हैं।चीन की सोशल मडिया कंपनी टिकटाक द्वारा सभी नियमों का पालन किया है इसलिए उस पर प्रतिबंध नहीं लगा है। टिकटाक पर चल रहे नेपोबेबी ट्रेंड हो रहा है,जिसमें नेताओं के बच्चों के ऐशो-आराम भरे जीवन की तस्वीरें व वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। यह सच है कि बिला-वजह सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने से युवाओं में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। नेपाल में भ्रष्टाचार,रितखोरी व भाई-भतीजावाद को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है।भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने को पर भी नेपालियों में भारी निराशा है। वे देश की बदहाली के लिए राजनेताओं को दोषी मानते हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीडिया वास्तविकता छिपाने में सरकार का पक्षकार बन गया है। वे इसे स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। जनता की ताकत को नजरंदाज करने वालों को यह समझना होगा कि नई पीढी निरंकुशता मौन होकर नहीं बर्दाश्त कर सकती। उसे अपने अधिकारों और ताकत का अंदाजा है। नेताओं को राजशाही वाले अंदाज त्यागने होंगे।

# मुस्लिम समाज ने की सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना

संजय सक्सेना
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

प्रतिवर्ष 14 सितंबर का दिन हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1949 में इसी तारीख को संविधान सभा ने एक लंबी और सजीव बहस के बाद देवनागरी लिपि में हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। भारतीय संविधान के भाग XVII के अनुच्छेद 343 से 351 तक इसी विषय के बारे में है। अनुच्छेद 343 (1) में यह घोषणा की गई है कि देवनागरी लिपि में हिंदी संघ की राजभाषा होगी। लेकिन अनुच्छेद 343 (2) और उसके बाद के अनुच्छेदों को पढ़ने से पता चलता है कि भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में राजभाषा के मुद्दे को बहुत कठिन और जटिल रास्ते से होकर गुजरना है क्योंकि देश के सरकारी संस्थानों में अंग्रेजी में निर्धारित कानूनों,नियमों और विनियमों का ही वर्चस्व है।

इसका एक समझौता के रूप में वर्णन किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय,उच्च न्यायालयों की सभी कार्यवाहियां,संसद और राज्य विधानसभाओं में पेश किए जाने वाले या पारित सभी विधेयकों और अधिनियमों के अधिकृत पाठ, संविधान के तहत पारित सभी आदेश/नियम/कानून और विनियमों को अंग्रेजी में ही होना चाहिए (जैसा औपनिवेशिक भारत में था)। 17 फरवरी,1987 को संविधान (58वां) संशोधन अधिनियम के पारित होने तक संविधान (संशोधनों में शामिल) का कोई अद्यतन संस्करण संशोधनों के साथ हिंदी में जारी नहीं किया जा सकता था। विभिन्न कारणों से एक राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। यही कारण है कि 78 वर्षों के बाद भी हिन्दी अंग्रेजी की जगह लेती हुई कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है। हमारे संविधान निर्माताओं ने इस कार्य के लिए केवल 15 साल का समय दिया था।

राजभाषा की अवधारणा राज्य के विभिन्न अंगों जैसे विधायिका,कार्यपालिका, न्याय-पालिका और सशस्त्र बलों आदि से संबंधित है। हालांकि, देश अपने सरकारी संस्थानों से कहीं बड़ा है। भारत में महात्मा गांधी ने जो जन जागरण किया वह संस्थानों से बाहर हुआ था। उनका असहयोग आंदोलन या भारत सरकार अधिनियम 1919 के तहत कांग्रेस का चुनाव में भाग लेने के उनके विरोध से यह पता चलता है कि उन्होंने देश की अपने संस्थानों पर निर्भरता को नकार दिया था। गांधीजी औपनिवेशिक भारत में उसके राज्य तंत्र के बीच की खाई और उसके लाखों लोगों के बारे में पूरी तरह जागरूक थे। वे भारत की बजाय भारतीय राष्ट्र को संबोधित करना चाहते थे। गांधीजी ने ऐसा करने के लिए अंग्रेजी की बजाय लोगों की भाषा का उपयोग करने का तरीका अपनाया।

भाषा का यह प्रश्न गांधीजी के स्वदेशी अभियान का अभिन्न अंग था। उन्होंने यह समझ लिया था कि लोग अपनी भाषा के जरिए ही स्वराज के मिशन में शामिल हो सकते हैं। इसलिए 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद, गांधी ने हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया। प्रताप (हिन्दी) में 28 मई,1917 को प्रकाशित उनके लेख में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्वीकार करने की वकालत की गई थी। 15 अक्टूबर 1917 को भागलपुर के कटहलबाड़ी क्षेत्र में बिहारी छात्रों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद के निर्देश पर बिहारी छात्रों के संगठन का काम लालूचक के श्री कृष्ण मिश्र को सौंपा गया था। बिहारी छात्रों के सम्मेलन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी। अपने संबोधन में महात्मा गांधी ने कहा था-'मुझे अध्यक्ष का पद देकर और हिन्दी में व्याख्यान देना और सम्मेलन का काम हिन्दी में चलाने की अनुमति देकर आप

विद्यार्थियों ने मेरे प्रति अपने प्रेम का परिचय दिया है। इस सम्मेलन का काम इस प्रांत की भाषा में ही और वही राष्ट्रभाषा भी है- करने का निश्चय दूरन्वेषी से किया है।' इस सम्मेलन में सरोजनी नायडू का भाषण अंग्रेजी से हिन्दी में अनुदित होकर छपा था। यह सम्मेलन आगे चलकर भारत की राजनीति, विशेषकर स्वतंत्रता संग्राम में राजनीति का कॉनवास बना, जिससे घर-घर में स्वतंत्रता संग्राम का शंखनाद करना मुमकिन हो सका। वही प्रसिद्ध गांधीवादी काका कालेलकर ने इस सम्मेलन के भाषण को राष्ट्रीय महत्व प्रदान कर राष्ट्रभाषा हिन्दी की बुनियाद डाली थी। बाद में इसी कटहलबाड़ी परिसर में मारवाड़ी पाठशाला की स्थापना हुई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था। उन्होंने 1918 में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए कहा था।

इसमें उन्होंने कहा था कि ज्यादातर भारतीय,जिन्हें न तो हिंदी आती है और न ही अंग्रेजी,उनके लिए हिन्दी सीखना अधिक आसान होगा। उन्होंने कहा कि केवल डरपोक होने के कारण ही भारतीयों ने अपना राष्ट्रीय कार्य व्यापार हिंदी में करना शुरू नहीं किया है। अगर भारतीय इस कायरता को छोड़ दे और हिंदी में विश्वास जताएं तो राष्ट्रीय और प्रांतीय परिषदों का कार्य भी इस भाषा में किया जा सकता है।

इसी लेख में गांधीजी ने पहली बार दक्षिण भारत में हिंदी मिशनरियों को भेजने का विचार प्रस्तुत किया। उन्हीं के विचार ने 1923 में स्थापित दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के रूप में मूर्त रूप लिया। 20 अक्टूबर 1917 को भरूच में दूसरे गुजरात शिक्षा सम्मेलन में दिया गांधीजी का भाषण महत्वपूर्ण समझा जाता है। इस भाषण में उन्होंने हिंदी को लोकप्रिय बनाने में स्वामी दयानंद सरस्वती के अग्रणी प्रयासों की सराहना की।

स्वामी दयानंद (1824-1883) गांधीजी की तरह ही गुजरात के रहने वाले थे। वे धार्मिक बहस और शिक्षण के माध्यम के तौर पर संस्कृत का उपयोग करते थे। हिमालय क्षेत्र और उत्तर भारत में दशकों तक रहने के बावजूद उन्होंने कभी भी हिंदी सीखने का प्रयास नहीं किया। लेकिन 1873 में, जब वे कोलकाता की यात्रा पर गए,तो उनकी भेंट ब्रह्म समाज के केशब चन्द्र सेन से हुई। सेन ने उन्हें सलाह दी कि वे जनता तक पहुंच बनाने के लिए संस्कृत की जगह हिंदी का उपयोग करें। दिलचस्प बात यह है कि स्वामी दयानंद और केशब चन्द्र सेन दोनों में से कोई भी मूल रूप से हिंदी भाषी नहीं था। उन्होंने इस मैत्रीपूर्ण परामर्श को स्वीकार कर लिया और थोड़े ही समय में हिंदी में महारत हासिल कर ली। उन्होंने अपनी महान कृति सत्यार्थ प्रकाश (1875) की रचना भी हिंदी में ही की। उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज ने हिंदी को लोकप्रिय बनाने की सशक्त एजेंसी के रूप में कार्य किया। इस प्रकार गांधीजी ने हिंदी की मशाल उस जगह से अपने हाथ में थामी,जहां स्वामी दयानंद ने उसे छोड़ा था। जहां एक ओर स्वामी दयानंद का मिशन धार्मिक था, वहीं दूसरी ओर गांधीजी का मिशन राष्ट्रीय था। गांधीजी ने हिंदी को भारतीय मानस को 'उपनिवेशवाद से मुक्त' कराने के साधन के रूप में देखा। हिंदी को लोकप्रिय बनाने के उनके मिशन को दक्षिण भारत में कई लोगों ने आगे बढ़ाया। जी. दुर्गाबाई (1909-1981) जो आगे चलकर संविधान सभा की सदस्य भी बनीं,ने किशोरावस्था में काकीनाडा (आंध्र प्रदेश),में लोकप्रिय बालिका हिंदी पाठशाला का संचालन किया। बालिका हिंदी पाठशाला का दौरा करने वालों में सी.आर. दास,कस्तूरबा गांधी, मौलाना शौकत अली,जमना लाल बजाज और सी.एफ. एंड्रयूज शामिल थे। वे यह देखकर हैरत में पड़ गये कि कुछ सौ महिलाओं को हिंदी का ज्ञान प्रदान करने वाली पाठशाला का संचालन एक किशोरी द्वारा किया जा रहा है।

लेकिन दुर्गाबाई के संविधान सभा तक पहुंचते-पहुंचते दक्षिण भारत में हिंदी के हालात बदल चुके थे। उन्होंने महसूस किया कि मूल हिंदी भाषियों द्वारा हिंदी के पक्ष में जोशोखरोश से किये गये प्रचार ने अन्य भाषाओं के लोगों को बेगाना कर दिया। स्वयं सेवियों ने जो उपलब्धि हासिल की थी,उत्साही गुमराह लोग उसे नष्ट कर रहे थे। इसीलिए उन्होंने 14 सितंबर,1949 को अपने भाषण में कहा, 'इस सदी के आरंभिक वर्षों में हमने जिस उत्साह के साथ हिंदी को आगे बढ़ाया था,उसके विरूद्ध इस आंदोलन को देखकर मैं स्तब्ध हूं। श्रीमान,उनकी ओर से बढ़चढ़कर किया जा रहा प्रचार का दुरूपयोग मेरे जैसे हिंदी का समर्थन करने वाले लोगों का समर्थन गंवाने का जिम्मेदार है और जिम्मेदार होगा। जी. दुर्गाबाई द्वारा अपने भाषण में जिस कशमकश की बात की है वह 78 साल बाद आज भी प्रासांगिक है। भाषा के कानूनी दर्जे को लागू करने वालों की तुलना में गैर हिंदी भाषी अपने स्वैच्छिक प्रयासों के बल पर हिंदी के प्रति ज्यादा जिम्मेदार होंगे। संवर्द्धित साक्षरता तथा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच सांस्कृतिक संपर्क हिंदी के उद्देश्य के लिए ज्यादा मददगार होंगे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

# पूर्वोत्तर मे मोदी:शांति एवं विकास की नई सुबह की आहट

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिज़ोरम, मणिपुर और असम की यात्रा के दौरान हुई घोषणाएं केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व की दृष्टि से युगांतरकारी मानी जा सकती हैं। मोदी की घोषणाओं और उद्बोधनों से उनका संकल्प साफ झलकता है कि पूर्वोत्तर को भारत की विकास धारा में सशक्त स्थान दिलाया जाएगा। मोदी की ये यात्राएं पूर्वोत्तर की राजनीति और समाज में एक एक नई करवट,नई सुबह साबित हो सकती हैं। मिज़ोरम में उनका संदेश कि पूर्वोत्तर प्रगति का प्रवेशद्वार है, असम में उनका कथन कि पूर्वोत्तर भारत की आत्मा है, और मणिपुर में उनका आत्मीयता- हार्दिक स्पंदन का मरहम ये तीनों मिलकर एक नई दृष्टि, नई दिशा एवं नये संकल्प प्रस्तुत करते हैं।

प्रधानमंत्री ने यह संकल्प व्यक्त किया कि पूर्वोत्तर को सड़क, रेल और हवाई सेवाओं से देश के हर हिस्से से जोड़ा जाएगा। 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के तहत पड़ोसी देशों से भी कनेक्टिविटी बढ़ाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में हिंसा, अशांति और अलगाव की जगह अब शांति,विकास और विश्वास का नया युग शुरू हो रहा है। उन्होंने इन राज्यों के युवाओं को शिक्षा,स्टार्टअप और खेलकूद के लिए विशेष योजनाओं का लाभ देने का वादा किया। मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर की विविध संस्कृति और परंपराएं भारत की असली शक्ति हैं। इनकी पहचान और गौरव को सुरक्षित रखते हुए विकास होगा। इन तीनों राज्यों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह केवल चुनावी वादे नहीं, बल्कि आने वाले 'नए भारत' का रोडमैप है। उनका यह संदेश भी महत्वपूर्ण रहा कि जब पूर्वोत्तर मजबूत होगा, तभी भारत आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा और तभी नये भारत, विकसित भारत का सपना आकार लेगा।

हालांकि तीनों ही राज्यों की यात्राएं महत्वपूर्ण थीं, परंतु मणिपुर की यात्रा का महत्व विशेष रहा। पिछले डेढ़ वर्ष से हिंसा और अशांति झेल रहे मणिपुर में प्रधानमंत्री की उपस्थिति केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि एक संवेदनशील हस्तक्षेप एवं आत्मीय मरहम थी। दरअसल,राज्य में स्थायी शांति के मार्ग में जो एक सबसे बड़ी बाधा है, वह है पर्वतीय इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय और घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लोगों के बीच लगातार कम होता विश्वास। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि दोनों समुदायों की आकांक्षाओं में संतुलन बनाए। ताकि दोनों समुदायों की चिंता और शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जा सके। ऐसा करते हुए मोदी ने दोनों समुदायों की पीड़ा सुनी, संवाद का सेतु बनाया और यह भरोसा दिलाया कि मणिपुर की त्रासदी केवल एक क्षेत्रीय संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती है। यह यात्रा विश्वास बहाली की शुरुआत साबित हुई। लंबे समय से लोगों को शिकायत रही कि उनकी बात दिल्ली तक नहीं पहुँचती। प्रधानमंत्री की उपस्थिति ने इस दूरी को कम किया और संकेत दिया कि शांति और विकास दोनों को साथ लेकर ही मणिपुर का भविष्य गढ़ा जाएगा। मणिपुर में उनका संकल्प था कि यहां की मातृशक्ति और युवा शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग देगी। फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि मणिपुर और पूर्वोत्तर में शांति की राह आसान नहीं है। विस्थापितों का पुनर्वास, न्याय की प्रक्रिया और आपसी विश्वास का पुनर्निर्माण अभी अधूरा है। यदि इन चुनौतियों को ठोस नीतियों और निरंतर संवाद से नहीं सुलझाया गया, तो यह यात्रा केवल प्रतीकात्मक बनकर रह जाएगी। राजनीतिक दलों और सामुदायिक नेतृत्व की भूमिका भी यहाँ अहम है। यदि वे केवल वोट-बैंक की राजनीति तक सीमित रहेंगे तो शांति की प्रक्रिया बाधित होगी। इसके लिए सामूहिक दृष्टिकोण और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता आवश्यक है। यह एक ऐसा विवादास्पद मुद्दा था, जिसने कुकी-जो समुदाय के लोगों में असुरक्षा व अशांति पैदा कर दी। जिसे दूर किए जाने की सख्त जरूरत है। दरअसल,कुकी एवं मैतेई समुदायों के हिंसक संघर्ष ने राज्य में मतभेदों को मनभेद में बदल दिया है। कुकी-जो विधायकों के एक समूह, जिसमें भाजपा के भी सात विधायक शामिल हैं, ने कहा है कि 'दोनों पक्ष केवल अच्छे पड़ोसियों के रूप में शांति से रह सकते हैं,लेकिन फिर कभी एक छत के नीचे नहीं।' उनकी मांग रही है कि गैर-मैतेई समुदायों के लिये अलग विधायिका सहित अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए। यह सोच दोनों समुदायों के बीच गहरे मतभेद को उजागर करती है, जिसने मणिपुर को गहरी क्षति पहुंचायी है। इन स्थितियों में मोदी ने जोर देकर कहा कि पूर्वोत्तर में अब हिंसा, अलगाव और अशांति का युग समाप्त होना चाहिए। मणिपुर में उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि शांति ही विकास का आधार है और जब तक सौहार्द स्थापित नहीं होगा, भारत की प्रगति अधूरी रहेगी। यह संदेश न केवल मणिपुर, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर के लिए विश्वास बहाली का माध्यम बना। पूर्वोत्तर केवल सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं,बल्कि सामरिक दृष्टि से भी भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मणिपुर और अन्य राज्यों की स्थिरता का सीधा संबंध पड़ोसी देशों से भारत के रिश्तों और राष्ट्रीय सुरक्षा से है। इसलिए यहाँ की शांति केवल स्थानीय आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता है।

मणिपुर पिछले डेढ़ वर्ष से एक त्रासद संघर्ष का साक्षी रहा है। हिंसा, आगजनी, पलायन और खून-खराबे ने राज्य की आत्मा को झकझोर दिया। समाज का संतुलन टूट गया,आपसी विश्वास खंडित हो गया और सामुदायिक संबंधों में ऐसी दरारें पड़ गईं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लंबे समय तक राज्य अशांत और असुरक्षित बना रहा। हिंसा के कारणों को समझना ज़रूरी है। सरकार ने समय-समय पर स्थिति को संभालने की कोशिश की, सुरक्षा बल तैनात किए, कर्फ़्यू लगाए और संवाद की पहल भी की,परंतु गहरी दरारें मिटाने में ये प्रयास अपर्याप्त साबित हुए। असली चुनौती थी-मनभेदों को मिटाना। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का महत्व यहीं बढ़ जाता है। उन्होंने राज्य में पहुँचकर दोनों समुदायों की पीड़ा को प्रत्यक्ष रूप से सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को उच्चतम स्तर पर समझा जा रहा है। उनका यह संदेश कि शांति ही विकास का आधार है और भारत की प्रगति का सपना तब तक अधूरा है जब तक मणिपुर जैसे राज्यों में सौहार्द नहीं लौटता-जनमानस में गहराई से उतरा है।

# देश का राजनीतिक,आर्थिक और सामाजिक पुनर्जागरण

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

1947 में भारत एवं पाकिस्तान ने एक साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति की थी किंतु पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा धारण कर अलग दिशा में आगे बढ़ता गया जिसके फल स्वरुप आज पाकिस्तान विपन्न और गरीब देश बन गया है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतांत्रिक,जनतांत्रिक अवधारणा की दिशा में नई-नई विकास के सोपनो को प्रतिपादित कर आगे बढ़ता गया। भारत वैश्विक स्तर पर सामरिक आर्थिक एवं अन्य विषयों पर काफी हद तक प्रगति प्राप्त कर चुका है। भारत ने आश्चर्यजनक रूप से देश को विकसित मजबूत एवं सशक्त बना दिया है । भारतीय परिदृश्य और संदर्भ में भारत में विगत एक दशक में व्यापक तथा आमूल चूल परिवर्तन देखे गये हैं। राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायित्व आधारित शासन प्रशासन-प्रणाली, सांस्कृतिक विमर्श में सनातनी सांस्कृतिक सभ्यता-गौरव की पुनर्प्राप्ति और आर्थिक नीतियों के संरचनात्मक सुधारों ने देश की दिशा और दशा तय की है। इन नई विचारधारा एवं रणनीति ने भारत को न केवल आंतरिक रूप से सशक्त किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

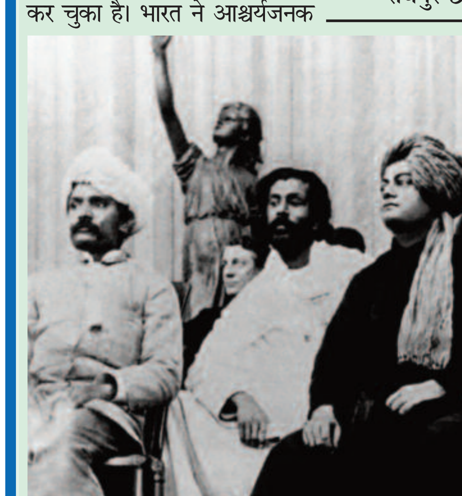

भारतीय राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा परिवर्तन रिपोर्ट कार्ड राजनीति का उदय रहा, जिसमें आम जनता और राजनीतिक नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके किए गए कार्यों और परिणामों के आधार पर कसौटी पर कसा जाने लगा है ।

संवैधानिक और नीतिगत स्तर पर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए। 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन केंद्र की सख्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा विचारधारा का प्रतीक बना। तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीयता और शरणार्थी नीति पर नई विचारों की श्रृंखला को जन्म दिया। भारत की परंपरागत लोकतांत्रिक विरासत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए नया संसद भवन,ई-संसद और डिजिटलीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ विपक्ष की भूमिका,मीडिया की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया तथा धनबल के प्रभाव ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली भी बनाया गया है।

# मानव स्वास्थ्य हेतु ओज़ोन परत की सुरक्षा जरुरी

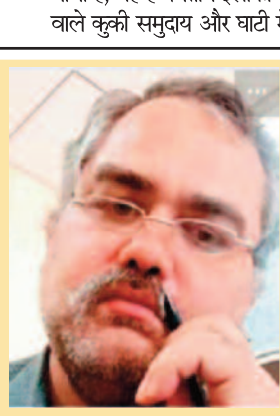

संजय गोस्वामी,
अणुशक्तिनगर,मुंबई

विश्व ओज़ोन दिवस 2025, हर साल 16 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है यह दिवस पृथ्वी पर जीवन को हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण से बचाने में ओज़ोन परत के महत्व के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने का दिन है। विश्व ओज़ोन दिवस 2025 का विषय विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक है, जो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की उपलब्धियों और निरंतर महत्व को उजागर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक पहल है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का स्मरण और ओज़ोन परत की सुरक्षा के प्रयासों को बढ़ावा देना होगा। यह दिन पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करने और मानव स्वास्थ्य,पारिस्थितिक तंत्र और ग्रह की सुरक्षा में ओज़ोन परत की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। ओजोन परत क्षय एक गंभीर चुनौती ओजोन परत समुद्र सतह से 60 कि.मी. की ऊंचाई तक विविध सांद्रता वाली परतों में पाई जाती है। ओजोन गैस ऊपर वायुमण्डल में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं। ओजोन लेयर ऑक्सीजन गैस का ही एक रूप होता है! जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु एक साथ जुड़ जाते है तो वो ओजोन का निर्माण करते है। वायुमण्डल में ओजोन गैस का एक छाता सा आवरण पाया जाता है जिसे ओजोन परत या ओजोन मण्डल कह सकते हैं। वायुमण्डल की ऊंचाई 16 से 29 किलोमीटर तक मानी जाती है। तापक्रम तथा वायुमण्डल के कारण वायुमण्डल का परिवर्तन मण्डल,ओजोन मण्डल,समताप मण्डल तथा मध्य मण्डल उर्ध्वाकार विभाजन किया गया है। इसमें प्रमुख है ओजोन परत मण्डल जो ओजोन परत के नाम से जाना जाता है। यह परत पृथ्वी के धरातल से 20-30 कि.मी. की ऊंचाई पर पाई जाती है ओजोन परत ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर बनती है। यह परत वायुमण्डल में बहतु कम है यह परत धरती के निकट होती तो इससे मानव के शरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ता जिससे मनुष्य अनेक रोगों से पीड़ित हो जाता। जहां यह परत धरती के लिए हानिकारक है,वहीं यह परत वायुमण्डल में ऊपर होने से मनुष्यों के लिए लाभदायक है। सूरज से निकलने वाली सबसे हानिकारक गैस है पैराबैंगनी किरण। पैराबैंगनी किरणे ना ही सिर्फ मनुष्य बल्कि जीव जंतुओं और वनस्पतियों के लिए अत्यंत हानिकारक है। सूरज की नुकसानदेह किरणों से बचाने वाली हमारी जीवन रक्षक परत ओजोन बेहद पतली हो चुकी है। सूर्य की पराबैंगनी किरणों से धरती को बचाने वाली ओजोन परत में छेद हो चुका है. जब आर्कटिक के ऊपर ओजोन परत में इतना विशाल छिद्र देखा गया है। वैज्ञानिकों को कई तरह की चिंताएं सता रही हैं। ओजोन परत का अध्ययन करने वाले जेट प्रॉपल्सन लैबोरेटरी कैलीफोर्निया के वैज्ञानिकों ने ताजा रिपोर्ट तैयार की है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के सैटेलाइट्स से मिली तस्वीरों के आधार पर रिपोर्ट कहती है कि ओजोन परत पर उत्तरी अमेरिका के आकार जितना बड़ा छेद हो चुका है। इसका आकार 2.5 वर्ग किलोमीटर आंका गया है। वैज्ञानिक 1980 से ओजोन परत में हो रहे छिद्र का अध्ययन कर रहे हैं। हर साल ग्लोब के सबसे निचले हिस्से अंटार्कटिका में जाकर ओजोन परत पर नजर रखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों को आशंका है कि ओजोन परत का छेद फैलकर दक्षिणी अमेरिका तक पहुंच सकता है। ऐसी परिस्थितियों में ब्राजील,चिली और पेरू समेत कई देशों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। सूरज की पराबैंगनी किरणों से त्वचा का कैंसर और मोतियाबिंद जैसी बीमारियां महामारी का रूप ले सकती हैं यह सब ग्रीन हाऊस गैसों से है ग्लोबल वार्मिंग के कारण हुआ है। इनमें सबसे खतरनाक क्लोरो-फ्लोरो कार्बन गैस है जो ओजोन के परमाणुओं को कम कर रहा है। इसकी वजह से हर साल ओजोन परत 4 प्रतिशत की दर से कम हो रही हैं। यदि ओजोन के नुकसान की यही गति रही तो अगले 50 से 60 साल में ओजोन का 15 से 20 प्रतिशत भाग नष्ट हो जाएगा।इससे पराबैंगनी किरणों के पृथ्वी के धरातल पर पड़ने से तेज धूप होगी जिससे जीव-जंतुओं में जल की कमी होगी और वे गर्मी से झुलस जाएंगे। नाइट्रस आक्साइड एक हरितगृह गैस है जो वैश्विक तपन के साथ-साथ समतापमंडलीय ओजोन परत की क्षय के लिए भी उत्तरदायी है। रक्षा कवच के रूप में ओजोन परत सूर्य की हानिकारक परा-बैंगनी किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी के जीवों की रक्षा करती है। धान की खेती के विस्तार के फलस्वरूप मीथेन गैस की उत्सर्जन की दर में बढ़ोत्तरी हुई है। मीथेन भी नाइट्रस आक्साइड की तरह हरितगृह गैस है जो वैश्विक तपन के लिए उत्तरदायी है। ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव-भू-जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

# मैनपाट में 6 आदिवासी बच्चियों के कथित धर्मांतरण की कोशिश,महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के मैनपाट ब्लॉक से धर्मांतरण का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। यहां 6 नाबालिग आदिवासी बच्चियों को पैसे का लालच देकर कथित रूप से ईसाई धर्म में परिवर्तन कराने की कोशिश की गई। इस मामले में आरती माझी नामक महिला के खिलाफ छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 की धारा 5(क) के तहत कमलेश्वरपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। घटना रविवार,14 सितंबर की है। जानकारी के अनुसार,मैनपाट के केसरा और सरभंजा गांव की रहने वाली 6 आदिवासी बच्चियों को आरती माझी नाम की महिला बरिमा गांव में आयोजित एक प्रार्थना सभा व बपतिस्मा कार्यक्रम में ले जा रही थी। यह कार्यक्रम बरिमा चर्च से जुड़ा बताया जा रहा है। बच्चियों के साथ महिला को जाते हुए स्थानीय युवक दिलवर यादव और अन्य लोगों ने रास्ते में रोका और पूछताछ की। दिलवर यादव ने बताया कि आरती माझी ने इन बच्चियों को प्रत्येक को 40-40 रुपये देकर प्रार्थना सभा में चलने के लिए प्रलोभित किया था। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि उसने बच्चियों को ले जाने से पहले उनके माता-पिता से कोई अनुमति नहीं ली थी। यह बात सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों का कहना है कि जब से उन्होंने प्रार्थना सभाओं में जाना बंद कर दिया है, महिला बच्चों को निशाना बना रही है।

### परिजनों की शिकायत पर दर्ज हुई एफआईआर

घटना की जानकारी मिलते ही बच्चियों के परिजन थाने पहुंचे और मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। दिलवर यादव की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरती माझी के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता कानून के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने बच्चियों के परिजनों के बयान भी दर्ज किए, जिन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्हें इस पूरी बात की कोई जानकारी नहीं थी।

### विधायक व भाजपा नेता ने जताई नाराजगी

घटना के सामने आने के बाद सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, मैनपाट ब्लॉक में धर्मांतरण की गतिविधियां चिंताजनक हैं। इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं,भाजपा नेता व मैनपाट के पूर्व मंडल अध्यक्ष रजनीश पांडेय ने कहा कि मैनपाट, बरिमा, कुदारीडीह, सरभंजा, केसरा, नर्मदापुर, कुनिया, रोपाखार और सपनादर जैसे क्षेत्रों में धर्मांतरण की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाए और स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

### पुलिस ने शुरू की जांच

कमलेश्वरपुर पुलिस ने बताया कि महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और पूरा मामला धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच में है। पुलिस का कहना है कि यदि आगे और भी लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

# कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर ने दिया तत्काल कार्रवाई का निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज कलेक्टर श्री विलास भोसकर के अध्यक्षता में कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा अपनी समस्याएं और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर श्री भोसकर ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में मुख्य रूप से राजस्व संबंधी प्रकरण, नामांतरण, सीमांकन, रजिस्ट्री जैसे मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त,कुछ आवेदकों द्वारा राशन सामग्री प्राप्त नहीं होने की शिकायतें भी प्रस्तुत की गई, जिस पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों को शीघ्र राशन सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल,अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, श्री राम सिंह ठाकुर, श्री अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम आयुक्त श्री डी. एन. कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल की जा रही है। प्रशासनिक अमला जनहित में तत्परता से कार्य कर रहा है।

## विद्यालय परिवहन सुरक्षा दिशा-निर्देशों के पालन हेतु आवश्यक निर्देश जारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर द्वारा याचिका क्रमांक W.P. (PIL) 32/2015 में दिनांक 03.08.2015 को पारित आदेश एवं छत्तीसगढ़ शासन, परिवहन विभाग द्वारा अधिसूचना क्रमांक F 6-14/आ-परि/2015 दिनांक नवम्बर 2015 तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में,समस्त शासकीय/अशासकीय विद्यालयों को उनके द्वारा संचालित या अधिकृत स्कूल बसों के संचालन हेतु निर्धारित सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य किया गया है। स्कूल बस संचालन हेतु अनिवार्य दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। बस पीले रंग की हो तथा आगे और पीछे स्कूल बस स्पष्ट रूप से लिखा हो। प्राथमिक उपचार पेटी,अग्निशमन यंत्र,पैनिक बटन एवं सीसीटीवी कैमरा आवश्यक रूप से लगे हों। बस में स्पीड गर्वनर,खिड़कियों में खड़ी जाली,विश्वसनीय डोर लॉक एवं नीले रंग की रात्रिकालीन लाइट हो। सीट के नीचे बैग रखने हेतु सुरक्षित स्थान हो तथा प्रशिक्षित सहायक उपलब्ध हो। स्कूल का नाम व संपर्क नंबर बस पर स्पष्ट रूप से अंकित हो। चालक के पास भारी वाहन चलाने का कम से कम 5 वर्षों का अनुभव हो तथा ट्रैफिक उल्लंघन का कोई गंभीर इतिहास न हो। बस का नियमित मेंटेनेंस, फिटनेस सर्टिफिकेट, वैध बीमा एवं प्रदूषण प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से अद्यतन हो। फिल्मयुक्त कांच,पर्दे एवं प्रेशन हॉर्न निषिद्ध हैं। बस की आयु 12 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।पालक या शिक्षक को बस में यात्रा कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। यदि विद्यालय द्वारा किसी अन्य प्रकार के वाहन (जैसे छोटी बस, टाटा मैजिक, ऑटो आदि) का उपयोग किया जा रहा है, तो उपरोक्त सभी नियम उन पर भी समान रूप से लागू होंगे।

## छात्रसंघ चुनाव में सरगुजा एनएसयूआई की टीम ने उम्मीदवारों के प्रचार किया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में सरगुजा एनएसयूआई की टीम ने जिलाध्यक्ष आशीष जायसवाल के नेतृत्व में केशव महाविद्यालय में एनएसयूआई के उम्मीदवारों के प्रचार किया बागडोर सम्हाल ली है। प्रतिष्ठापूर्ण छ चुनाव को जीतने के लिये पूरे देश भर से एनएसयूआई के कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे हुए हैं। इस परिप्रेक्ष्य में सरगुजा जिले से कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ता भी दिल्ली पहुंचे हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में सरगुजा एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं को पीथमपुर क्षेत्र के केशव महाविद्यालय की जिम्मेदारी मिली है। इस महाविद्यालय में छात्रों की संख्या 2000 है। करीब एक हफ्ते से प्रचार में संलग्न सरगुजा एनएसयूआई की टीम वन टू वन संवाद कर एनएसयूआई उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाने में जुटी हुई है। वो लगातार छात्र मतदाताओं को यह समझने में लगे हैं कि एनएसयूआई ही एकमात्र ऐसा छात्र संगठन है जो छात्रों के हक के लिये पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। वो यह संदेश भी देने का प्रयास कर रहे हैं कि चुनाव में विजय पश्चात छात्र हितर और उनकी वास्तविक आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

## जैन मैत्री संघ के प्रथम ट्रस्ट का चुनाव संपन्न,विक्रांत जैन बने अध्यक्ष

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर में श्री चंद्र प्रभु तेरापंथी दिगम्बर जैन मंदिर प्रांगण में जैन मैत्री संघ के प्रथम ट्रस्ट का चुनाव शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी डॉ. एम.के. जैन एवं राजेश जैन की देखरेख में यह प्रक्रिया पूरी की गई, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। चुनाव का शुभारंभ ट्रस्ट के आयोजक एवं न्यासकर्ता अशोक जैन द्वारा पूर्व कार्यकारिणी को विधिवत भंग करते हुए किया गया। इसके बाद अध्यक्ष,वरिष्ठ उपाध्यक्ष,सचिव,महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई। इनमें से वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सचिव एवं महामंत्री पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ, जबकि अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पदों के लिए मतदान कराया गया। अध्यक्ष पद पर विक्रांत जैन ने किशोर जैन को हराकर भारी मतों से जीत दर्ज की, वहीं कोषाध्यक्ष पद पर रोमांचक मुकाबले में अखिलेश दानखड़े मात्र एक मत से विजयी घोषित हुए।

# पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

## युवाओं को सामाजिक और शैक्षणिक चुनौतियों से निपटने के लिए किया गया जागरूक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राज्य युवा आयोग,छत्तीसगढ़ शासन के तत्वावधान में आज पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सामाजिक और शैक्षणिक चुनौतियों से निपटने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक झा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, श्रीमती पायल सिंह तोमर तथा नगर पालिक निगम पार्षद श्री दीपक यादव शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर ने बताया कि आयोग जल्द ही युवाओं के लिए एक वेबसाइट लांच करने जा रहा है,जो युवाओं को अपनी बात रखने का सशक्त मंच प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार में पूर्ण पारदर्शिता के साथ शासकीय विभागों में भर्ती की जा रही है।

श्री तोमर ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन से अध्ययन करें,क्योंकि योग्यता के आधार पर प्रत्येक युवा को उसका उचित स्थान अवश्य मिलेगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी शारीरिक, बौद्धिक और मानसिक शक्ति से राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का संदेश दोहराते हुए कहा कि उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए। उन्होंने युवाओं को साइबर फ्रॉड से बचने के लिए POLICE कीवर्ड बताया कि P फोर पासवर्डः किसी को पासवर्ड न बताएं। O फोर ओटीपी किसी से कभी भी ओटीपी साझा न करें। रु फोर लिंकः मोबाइल पर आए किसी भी अनजान लिंक न खोलें। फोर इन्फोर्मेशनः किसी भी व्यक्ति को अपनी पर्सनल जानकारी साझा न करें। C फोर केयरः लालच में न पड़ें और सतर्क रहें। श्व फोर इमर्जेंसीः धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 पर कॉल करें या नजदीकी थाने में रिपोर्ट करें। उन्होंने युवाओं से अपील की कि साइबर सुरक्षा के लिए इस POLICE कीवर्ड का पालन कर जागरूक नागरिक बनें। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक झा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश की सबसे बड़ी शक्ति युवा हैं। उन्होंने युवाओं से लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान करते हुए कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए लगन और ईमानदारी से की गई मेहनत ही सफलता की कुंजी है। यदि पूरी निष्ठा से प्रयास किया जाए तो लक्ष्य तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। पुलिस महानिरीक्षक श्री झा ने युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों की शिकायत के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1933 है,जिस पर नशे का सामान बेचने वालों की सूचना दी जा सकती है और शिकायतकर्ता की पहचान इसमें पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। मुख्य अतिथि सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो ने कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो बाधाओं को लांघकर आगे बढ़े, वही युवा कहलाता है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी है अनुशासन और सही दिशा में की गई मेहनत। मेहनत,अनुशासन और धैर्य रखकर आप अपने लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। विधायक श्री टोप्पो ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार में पारदर्शिता के साथ भर्ती की जा रही है और जो योग्य होगा वही डिप्टी कलेक्टर या अन्य जिम्मेदार पद तक पहुंचेगा। उन्होंने युवाओं को भरोसा दिलाया कि इस सरकार में केवल प्रतिभा और योग्यता के आधार पर ही अवसर मिलेंगे। उन्होंने साइबर क्राइम पर जागरूक करते हुए कहा कि इंटरनेट जहां सुविधाओं का बड़ा साधन है, वहीं यह खतरे का कारण भी बन सकता है। एक छोटी-सी गलत पोस्ट या लापरवाही युवाओं को गंभीर मुसीबत में डाल सकती है। इसलिए इंटरनेट और सोशल मीडिया का प्रयोग सोच-समझकर करें, जिम्मेदारी के साथ करें और कभी भी इसका दुरुपयोग न करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि अपने सपनों को पाने के लिए धैर्य, अनुशासन और ईमानदारी को जीवन का मूल मंत्र बनाएं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र, महिलाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ता को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

# संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता

## बिशुनपुर व मेन्ड्राखुर्द की टीम ने जीते मैच

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे संभाग स्तरीय फुटबॉल मैच के अंतर्गत प्रथम मैच एफसी सत्तीपारा विरुद्ध बिशुनपुर के मध्य खेला गया। जिसमें दोनों टीमों ने प्रथम हाफ में अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे के ऊपर गोल करने के लिए हावी रहे, लेकिन मध्यांतर तक गोल नहीं कर सके। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन गोल करने में नाकाम रहे। इस तरह मैच का निर्णय टाई-ब्रेकर से फैसला किया गया। जिसमें

बिशुनपुर की टीम ने 3-2 से विजयी रही। दूसरा मैच मेन्ड्राखुर्द विरुद्ध फुटबॉल क्लब रेवापुर टीम के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में मेन्ड्राखुर्द के खिलाड़ी विष्णु द्वारा एक गोल कर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त बना ली तथा मध्यांतर पश्चात मेन्ड्राखुर्द के हरिओम ने दूसरा गोल कर अपनी टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। इस तरह से मेन्ड्राखुर्द की टीम ने 2-0 से मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर ली। मैच के निर्णायक आयुष राजवाड़े ,अंकुश , नितेश ,बालसाय राजवाड़े,दीपक कुजूर,कमलेश किस्पोट्टा,अखिला राजवाड़े एवं मंगल कुमार रहे। 16 सितम्बर को प्रथम मैच एफसी परसोड़ी विरुद्ध न्यू क्लब जामदोहर तथा दूसरा मैच एफसी बृजनगर विरुद्ध पीजी इलेवन अंबिकापुर के मध्य खेला जायेगा।

## चेकिंग अभियान में 491 वाहन की हुई जांच,180 पर कार्रवाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

एसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर जिलेभर में वाहनों पर रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट की अनिवार्यता को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर राहुल बंसल ने किया। सघन जांच अभियान के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 20 प्रमुख स्थानों पर चेकिंग प्वाइंट बनाए गए थे। जहां लगभग 150 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को तैनात किया गया। पुलिस टीमों ने इन स्थानों पर वाहनों की जांच की और नंबर प्लेट नहीं होने पर वाहन चालकों को मौके पर ही रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने की समझाइश दी। अभियान के दौरान कुल 491 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से कई वाहन चालकों ने मौके पर ही अपने वाहनों के आगे और पीछे रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाई। इसके साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने पर 180 वाहन चालकों से कुल 1 लाख 74 हजार 300 रुपए का चालान वसूला गया।

## रामगढ़ पर्वत की रक्षा के लिए कांग्रेस का दल करेगा स्थल निरीक्षण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

रामगढ़ पर्वत के समीप कोल ब्लॉक की खनन गतिविधियों से हो रहे दुष्प्रभावों का आकलन करने के लिए कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल 16 सितंबर को रामगढ़ का दौरा करेगा। इस दल का नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक करेंगे। जिलाध्यक्ष ने जानकारी दी कि पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव द्वारा हाल ही में यह खुलासा किया गया कि गलत आंकड़ों के आधार पर खदान खोलने की प्रक्रिया चल रही है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि पहले से मौजूद खदानों में ब्लास्टिंग से रामगढ़ पर्वत को नुकसान पहुंच रहा है, और नया खदान पूरे पहाड़ के अस्तित्व को खतरे में डाल सकता है।

रामगढ़ पर्वत को भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़ा धार्मिक प्रतीक मानते हुए पाठक ने कहा कि व्यावसायिक हितों के लिए धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। निरीक्षण दल में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता,पीसीसी पदाधिकारी,पूर्व महापौर और स्थानीय ब्लॉक कांग्रेस के प्रतिनिधि शामिल होंगे। ये नेता स्थानीय निवासियों से संवाद कर साक्ष्य एकत्रित करेंगे और विशेषज्ञों से चर्चा कर रिपोर्ट मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक करेंगे।

# घरेलू विवाद में बेटे ने की पिता की हत्या,गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमगला बावापारा में 14 सितंबर की शाम को डंडे से पीट-पीटकर बेटे ने पिता की हत्या कर दी। पिता द्वारा बाइक गिरवी रख दी गई थी। इस बात को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हुआ था।

मामले में लखनपुर पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रकसूदन वैष्णव अपने बेटा रोशन वैष्णव को बाइक चलाने नहीं देता था। इस बात को लेकर अक्सर पिता-पुत्र के बीच विवाद होता था। रविवार को रकसूदन वैष्णव घर में था। शाम करीब 5 बजे बेटा रोशन घर आया और पिता से पूछा की बाइक किसके पास गिरवी रखे हो। इस बात को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हो गया। पिता गाली गलौज करते हुए झगड़ा करने लगा। इस दौरान आवेश में आकर बेटे ने बांस के डंडे से पिता की बेदम पिटाई कर दी। गंभीर चोट लगने से पिता की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद पुत्र वहां से फरार हो गया। मृतक के भतीजा त्रिभुवन ने गांव के सरपंच नागेन्द्र प्रताप सिंह को घटना की जानकारी दी। सूचना पर सरपंच मौके पर पहुंचकर देखा तो रकसूदन वैष्णव मृत अवस्था में था। सरपंच ने घटना की जानकारी लखनपुर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और आरोपी बेटे रोशन कुमार वैष्णव उम्र 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

# इजराइल के खिलाफ कतर में जुटे 50 मुस्लिम देश

## ईरान बोला- इस्लामी देश इजराइल से रिश्ता तोड़ें,पाकिस्तान की नाटो जैसी फोर्स बनाने की सलाह

**दोहा,15 सितम्बर 2025।** कतर की राजधानी दोहा में मुस्लिम देशों के 50 नेता इजराइल के खिलाफ एक खास बैठक के लिए इकट्ठा हुए हैं। यह बैठक अरब लीग और ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन ने बुलाई है। इसका मकसद 9 सितंबर को कतर पर हुए इजराइली हमले का जवाब देना है। इस हमले में हमास के 5 मेंबर और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी मारा गया था। यह हमला उस समय हुआ जब हमास की एक टीम गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका के प्रस्ताव पर बात करने दोहा में थी। मीटिंग से पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने मुस्लिम देशों से इजराइल के साथ रिश्ते तोड़ने को कहा है। उन्होंने इस्लामिक देशों से एकजुट होने की अपील की। वहीं,पाकिस्तान ने सभी इस्लामी देशों को नाटो जैसे जॉइंट फोर्स बनाने का सुझाव दिया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इजराइल को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई जरूरी है और कोई भी देश यह न सोचे कि वह गाजा युद्ध से बचा रहेगा।

**विदेश मंत्रियों ने रविवार को बंद कमरे में मीटिंग की :** रविवार को इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों ने दोहा में इजराइल के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर बंद कमरे में एक बैठक की थी। इस दौरान कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी ने इजराइली हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि कतर अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा। वहीं, पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने कहा कि दुनिया भर के मुस्लिम इस बैठक पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने एक जॉइंट डिफेंस फोर्स बनाने की संभावना का जिक्र किया और कहा कि न्यूक्लियर पावर पाकिस्तान इस्लामिक समुदाय (उम्माह) के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। अरब लीग 22 अरब देशों का एक संगठन है। इसे 1945 में बनाया गया था। इसका मकसद अरब देशों के बीच सहयोग बढ़ाना, उनकी एकता मजबूत करना और उनके साझा हितों की रक्षा करना है। वहीं, ओआईसी 57 मुस्लिम देशों का एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसे 1969 में स्थापित किया गया था। इसका मकसद मुस्लिम देशों के बीच एकजुटता को बढ़ावा देना और उनके हितों की रक्षा करना है। इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने शुक्रवार को ह्र महासभा में कतर में हमास नेताओं पर इजराइली हमले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि 9 सितंबर को इजराइल ने दोहा में एक सटीक हमला किया था।

### हमास चीफ को निशाना बनाकर हमला किया था

इजराइल ने 9 सितंबर कतर की राजधानी दोहा में हमास चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में अल-हय्या बच गया, जबकि 6 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद इजराइली पीएम नेतन्याहू ने भी कहा था कि इजराइल इस हमले की 'पूरी जिम्मेदारी' लेता है। जब यह हमला तब हुआ जब हमास नेता अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव पर आपस में चर्चा कर रहे थे।

### कतर ने इजराइली हमले की आलोचना की थी...

हमले के बाद कतर ने इजराइल की कड़ी आलोचना की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने इसे हमास के राजनीतिक मुख्यालय पर कायराना हमला करार दिया था और कहा था कि यह सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। दूसरी ओर, इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने इस कार्रवाई की तारीफ की थी। उन्होंने कहा थी कि आतंकवादियों को दुनिया में कहीं भी इजराइल से छूट नहीं मिलेगी। एक्स पर लिखते हुए उन्होंने इजराइली सेना और इजराइली खुफिया एजेंसी शिन बेट के सही फैसले और सटीक निशाने की सराहना की थी और कहा था कि आतंकवादियों को इजराइल के लंबे हाथों से कभी भी कोई छूट नहीं मिलेगी।

# Gen-Z प्रदर्शनकारियों ने नेपाली पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा

## कहा...हमने कुर्सी पर बैठाया,हटाने में वक्त नहीं लगेगा

**काठमांडू,15 सितम्बर 2025।** नेपाल में Gen-Z प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा है। वे कैबिनेट विस्तार को लेकर नाराज हैं। प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार प्रदर्शनकारियों की राय लिए बिना मंत्रियों को चुन रही है। इसका नेतृत्व सुदान गुरुंग कर रहे थे। गुरुंग ने धमकी देते हुए कहा,अगर हम फिर सड़क पर उतरे तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा। जिस कुर्सी पर बैठाया है, वहीं से निकाल फेंकेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीनियर वकील ओमप्रकाश आर्यल सरकार में दखलअंदाजी कर रहे हैं। गुरुंग का आरोप है कि आर्यल ने खुद को गृहमंत्री बनाने का फैसला किया है। ओमप्रकाश आर्यल काठमांडू के मेयर बालेन शाह के करीबी माने जाते हैं। पीएम कार्की ने ओमप्रकाश आर्यल को गृह और कानून मंत्री, रामेश्वर खनाल को वित्त मंत्री और कुलमान घिसिंग को ऊर्जा मंत्री नियुक्त किया है।

**गुरुंग ने नेपाल में Gen-Z आंदोलन का ऐलान किया था :** 36 साल के गुरुंग ने 8 सितंबर को काठमांडू में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। वे हामी नेपाल नाम के हलह्र के संस्थापक हैं। 2015 में बना यह संगठन आपदाओं के दौरान राहत पहुंचाने के लिए जाना जाता है। भूकंप और बाढ़ जैसी आपात स्थितियों में इसके सदस्य बचाव, भोजन और पानी की व्यवस्था करते रहे हैं। संगठन ने समय-समय पर छात्रों और प्रवासी नेपाली नागरिकों से जुड़े मुद्दे भी उठाए हैं। इसी साल भुवनेश्वर में एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के मामले में भी 'हामी नेपाल' ने खुलकर आवाज उठाई थी और सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट साझा किए थे। दिलचस्प यह है कि यह संगठन आमतौर पर राजनीतिक विवादों से दूरी बनाए रखता है। इसके इंस्टाग्राम पेज पर ज्यादातर मानवीय गतिविधियों की ही झलक मिलती है। ऐसे में काठमांडू विरोध का ऐलान गुरुंग के रुख में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। गुरुंग का नाम पहली बार राजनीतिक विवाद में तब आया था, जब उन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले पर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि योग्य उम्मीदवारों को नजरअंदाज कर पैसे और राजनीतिक दबाव के जरिए भर्तियां की जा रही हैं।

# अगस्त महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री नौ फीसदी घटी : सियाम

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025।** अगस्त महीने में कुल यात्री वाहन थोक बिक्री (डीलरों को भेजी गई) सालाना आधार पर लगभग 9 फीसदी घटकर 3,21,840 इकाई रह गई,जबकि पिछले साल इसी महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,52,921 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि संख्या में गिरावट की मुख्य वजह यात्री वाहन निर्माताओं के डिस्पैच पुनर्निर्धारण के कारण हुई। हालांकि, अगस्त महीने के दौरान कुल दोपहिया वाहनों की डिस्पैच साल फीसदी बढ़कर 18,33,921 इकाई हो गई, जबकि अगस्त 2024 में यह 17,11,662 इकाई थी। इस अवधि में मोटरसाइकिलों की बिक्री 4.3 फीसदी बढ़कर 11,06,638 इकाई हो गई (अगस्त, 2024 में 10,60,866 इकाई के मुकाबले), स्कूटरों की बिक्री करीब 13 फीसदी बढ़कर 6,83,397 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 6,06,250 इकाई थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि ग्राहकों ने जीएसटी दर में कटौती और वाहनों की कीमतों में कमी की उम्मीद में खरीदारी स्थगित कर दी है, जिसकी वजह से अगस्त की मांग में गिरावट आई। मेनन ने कहा कि वाहनों पर जीएसटी दरें कम करने के सरकार के फैसले से आगामी त्योहारी सत्र में मांग बढ़ेगी।

# सेंसेक्स 119 अंक टूटा, निफ्टी 25100 के नीचे

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025।** घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह से जारी तेजी पर सोमवार को ब्रेक लग गया। घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कमजोरी के साथ बंद हुआ। सोमवार को कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद से ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। सोमवार को दिन भर के कारोबार के दौरान एनर्जी, रियल्टी और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स,एफएमसीजी,ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सोमवार को लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह टेक,मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में सोमवार को लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ सोमवार को कारोबार का अंत किया। सोमवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सोमवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 460.16 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 458.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार को कारोबार से करीब 1.44 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,389 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,340 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए,जबकि 1,880 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 169 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में सोमवार को 2,822 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,539 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,283 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में और 35 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 20.81 अंक की मामूली तेजी के साथ 81,925.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 93.81 अंक की मजबूती के साथ 81,998.51 अंक तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 160 अंक की कमजोरी के साथ 81,744.70 अंक तक गोता भी लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 118.96 अंक की कमजोरी के साथ 81,785.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 4.90 अंक की सांकेतिक उछाल के साथ 25,118.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी उछल कर 25,138.45 अंक तक पहुंच गया।

# इंडिगो जनवरी 2026 में एथेंस के लिए शुरू करेगी छह साप्ताहिक सीधी उड़ानें

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025।** भारत की सबसे बड़ी बजट एयरलाइंस कंपनी इंडिगो अगले साल जनवरी से यूनान की राजधानी एथेंस के लिए सीधी उड़ान शुरू करने जा रही है। एयरलाइन ने सोमवार को यहां यह घोषणा की कि वह जनवरी 2026 से एथेंस, के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी। कंपनी ने कहा कि वह इस उड़ान के लिए अपना पहला एयरबस ए-321 एक्सएलआर विमान तैनात करेगी, जिसकी आपूर्ति इस साल के अंत तक होने वाली है। इंडिगो के लिए एथेंस, भारत का पहला आगामी एयरबस ए321 एक्सएलआर विमान सेवा प्रदान करने वाला पहला गंतव्य होगा। एयरलाइन ने कहा कि 2025 के अंत तक उसको ये विमान प्राप्त होने की उम्मीद है, जनवरी 2026 से एथेंस के लिए छह साप्ताहिक सीधी उड़ानें शुरू होंगी, जो नियामक अनुमोदन के अधीन हैं।

# अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़ा आयात 10% घटकर 61.59 अरब डॉलर हुआ

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025।** अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान आयात 10.12 प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर रह गया। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह बात कही गई। पिछले वर्ष अगस्त में निर्यात 32.89 अरब अमेरिकी डॉलर का था और आयात 68.53 अरब अमेरिकी डॉलर का था। अगस्त 2025 के दौरान व्यापार घाटा 26.49 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 35.64 बिलियन अमरीकी डॉलर था। अप्रैल-अगस्त 2025-26 के दौरान निर्यात 184.13 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा, जबकि आयात 306.52 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। आंकड़ों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और व्यापार नीति की अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के निर्यातकों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

# जिला जेल का हुआ निरीक्षण,कैदियों की समस्याओं को सुना गया

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर की अध्यक्षता में आज जिला जेल सूरजपुर का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान जेल की वर्तमान क्षमता, भविष्य की जरूरतों और कैदियों को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के लिए विशेष रूप से गठित एक संयुक्त टीम ने जेल का दौरा किया। इस टीम में जेल की भविष्य की मांगों की समीक्षा के लिए बनी कमेटी, उन विचाराधीन कैदियों की समीक्षा के लिए बनी कमेटी जो जमानत मिलने के बाद भी हिरासत में हैं, और जेल लीगल एड क्लीनिक को मजबूत बनाने वाले जेल विजिटर्स शामिल थे। प्रधान जिला न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक से बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं,खाद्य सामग्री और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जेल मैनुअल के अनुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। संयुक्त टीम ने भोजनालय में बन रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की और हर बैरक तक जाकर कैदियों से सीधे उनकी समस्याओं को सुना। इसके अतिरिक्त,जेल की वर्तमान क्षमता और निर्माणाधीन भवनों का भी निरीक्षण किया गया।

लोक निर्माण विभाग को अधूरे पड़े कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस निरीक्षण के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल,सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पायल टोपनो, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा,जिला जेल अधीक्षक श्री अक्षय तिवारी,अनुविभागीय अधिकारी (लोक निर्माण विभाग) राजीव वर्मा, थाना प्रभारी श्री विमलेश दुबे,अधिवक्ता मनोज सिंह शामिल थे।

## रजत जयंती महोत्सव 2025 : निःशुल्क श्रमवीर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
रजत जयंती महोत्सव 2025 के उपलक्ष्य में सोमवार को कन्या स्कूल परिसर शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न केंद्र में निःशुल्क श्रमवीर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग अम्बिकापुर एवं मोबाईल मेडिकल यूनिट-2 के कर्मचारियों द्वारा कुल 216 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं जांच कर निःशुल्क दवा वितरण किया गया। श्रम पदाधिकारी श्री नितेश विश्वकर्मा के द्वारा जानकारी दी गई कि श्रम विभाग सरगुजा के द्वारा श्रमायुक्त कार्यालय छत्तीसगढ़ शासन रायपुर के निर्देशानुसार इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रकार के श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, भोजन एवं दवा वितरण की व्यवस्था निःशुल्क की गई थी। इस अवसर पर श्रमिकों को श्रम विभाग की योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए लाभ लेने प्रेरित किया गया।

# महिला कांग्रेस ने अपना स्थापना दिवस उत्साह और संकल्प के साथ मनाया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
महिला कांग्रेस ने आज अपना स्थापना दिवस उत्साह और संकल्प के साथ मनाया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में पौधा रोपण किया गया। स्थापना दिवस पर आयोजित बैठक में संगठन की मजबूती और महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर विचार मंथन किया गया। महिलाओं को राजनीति और समाज में अधिक प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए रणनीति बनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा सोनी ने की। उन्होंने कहा महिला कांग्रेस समाज की आधी आबादी की सशक्त आवाज है। हमारा संकल्प है कि महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और भागीदारी को और मजबूत किया जाए। आने वाले समय में महिला कांग्रेस घर-घर तक पहूंचेगी और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करेगी। उन्होंने आगे बताया कि आने वाले महीनों के लिए विभिन्न सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों का कैलेंडर तैयार किया गया है, जिसमें जनजागरूकता अभियान, महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रम और संगठन विस्तार पर विशेष जोर दिया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीमा सोनी,रूबी सिद्दीकी,शकीला सिद्दीकी,गीता प्रजापति,रूबी जैन, असगरी सिद्दीकी,नुजहत फातिमा, रश्मि सोनी, शालिनी अग्रवाल, साधना कश्यप,सपना सिन्हा, ममता सिंह,शमशाद सरोज,बेगम मोमिना,अंजु चन्द्रवंशी,रूही गजल,प्रीति सिंह,संगीता मिन्ज सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

## सेवा पखवाड़ा अंतर्गत सरगुजा के निजी चिकित्सालयों में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

### प्रधानमंत्री मोदी जी के 75वें जन्मदिन पर सरगुजा जिले के 25 निजी अस्पताल देंगे निःशुल्क उपचार सेवा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।
केंद्र सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर सेवा पखवाड़ा अंतर्गत सरगुजा जिले में संचालित निजी स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह ओपीडी शिविर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है, जिसमें अंबिकापुर सहित पूरे सरगुजा जिले के नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं परीक्षण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस आयोजन में जिले के प्रमुख निजी चिकित्सालय एवं चिकित्सक अपनी सेवाएँ देंगे, जिनमें विशेष रूप से जीवन ज्योति अस्पताल, संकल्प हॉस्पिटल,डॉ. फिरदौसी हॉस्पिटल,लाइफ लाईन हॉस्पिटल, लेजर हॉस्पिटल, माता राजरानी हॉस्पिटल,डॉ. एम.पी. अग्रवाल क्लीनिक,श्री राम हॉस्पिटल, दयानिधि हॉस्पिटल,माँ महामाया मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, आरोग्य निकेतन हॉस्पिटल,एस.आर.एस. हॉस्पिटल, अथर्व हॉस्पिटल, निर्मला हॉस्पिटल, गायत्री हॉस्पिटल, शिशु मंगलम हॉस्पिटल, ओजस हॉस्पिटल, डी.टी.एच. हॉस्पिटल, मासूम चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, डॉ. दुबे केयर क्लीनिक,परमार हॉस्पिटल, के.डी. हॉस्पिटल तथा अन्य निजी अस्पताल एवं क्लीनिक के चिकित्सक शामिल होंगे।

# जंगल में जेसीबी से खुदाई कर बिछाया जा रहा मोबाइल कंपनी का केबल,वन अमला कह रहा,हमें पता नहीं...!

-राजा मुखर्जी-

कोरबा, 15 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के कटघोरा वनमंडल के पसान वन परिक्षेत्र में जंगलों के बीच में सड़क किनारे जेसीबी मशीन से खुदाई कर एयरटेल कंपनी का केबल बिछाया जा रहा है। यहां के बैरा,लैंगा, तनेरा, जलके,रानीअटारी व विजयवेस्ट क्षेत्रों में बिना वैध अनापत्ति प्रमाण-पत्र तथा बिना विभागीय अनुमति के यह कार्य चौबीसों घंटे बेखौफ तरीके से किया जा रहा है। कई किलोमीटर की खुदाई के बावजूद वन विभाग इस काम को अब तक रुकवा नहीं सका है। यह पूरा काम कोरबा जिले के पसान परिक्षेत्र के जंगलों में जेसीबी से खुदाई करके हो रहा है और वन विभाग इस मामले से अनभिज्ञ है। विडम्बना ये है कि यह कार्य कोई चोरी छिपे नहीं किया जा रहा है, बल्कि खुलेआम सड़क के किनारे किया जा रहा है, लेकिन इसे रोकने वाला कोई नहीं है।

### काम को रोककर मशीन को गांव में छिपाया

केबल बिछाने के इस काम में लगी कंपनी के सुपरवाइजर चंचल राठौर ने मीडिया कर्मियों के समक्ष खुले तौर पर कहा कि उसने डिप्टी रेंजर,वन रक्षक से लेकर ऊपर के अफसरों तक को मोटी रकम में खरीद लिया है। तभी तो वह चौबीसों घंटे काम कर रहा है। वहीं जब स्थानीय मीडिया में इस अवैध खुदाई की खबरें आनी शुरू हुई तब सुपरवाइजर ने काम को रुकवा कर जेसीबी मशीन को पास के ग्राम लैंगा में खड़ा करवा दिया है। उधर पसान के तहसीलदार ने कहा है कि इतने बड़े पैमाने में बगैर अनुमति के कोई कार्य नहीं किया जा सकता। केबल विस्तारीकरण की अनुमति की जानकारी ली जायेगी और कार्यवाही के लिए लिखा जाएगा।बहरहाल यह तय है कि घने जंगलों के बीच सड़क के किनारे केबल बिछाने का यह काम वन अफसरों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। अब जब यह मामला उजागर हो चुका है तो इसमें क्या कार्यवाही की जाती है, इस पर सभी की नजर रहेगी।

### वन परिक्षेत्र में मशीनों से कार्य प्रतिबंधित

कार्य संबंधित कंपनी द्वारा मजदूरों से कार्य कराने की बजाय मशीनों से किया जा रहा है, जबकि वन क्षेत्र में मशीनों से कार्य करने पर न केवल प्रतिबंध है,बल्कि ऐसा कार्य करते पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्यवाही करने का भी प्रावधान है। केबल विस्तारीकरण का यह पूरा कार्य वन क्षेत्र में हो रहा है। वन क्षेत्र में मशीन का उपयोग किए जाने के लिए बकायदा वनविभाग से अनुमति लेनी होती है, लेकिन संबंधित कंपनी द्वारा वन विभाग से किसी भी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली गई है। बावजूद इसके वन विभाग द्वारा इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यदि जंगल में जेसीबी से खनन का कार्य हो रहा है तो विभाग को मामले में कार्रवाई कर मशीन जप्ती की कार्यवाही करना चाहिए।

### पेड़ों को भी पहुंचाया जा रहा है नुकसान

केबल विस्तारीकरण के दौरान जेसीबी मशीन से खनन होने से जंगल के पेड़ों को भी काफी क्षति पहुंच रही है। बावजूद इसके संबंधित कंपनी पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

### पूर्व रेंजर ने काम को रोकने का किया था प्रयास

बताया जा रहा है कि पूर्व परिक्षेत्र अधिकारी रामनिवास दहायत ने पीओआर काटकर इस खुदाई रोकने के लिए कदम उठाया था, लेकिन वर्तमान परिक्षेत्र अधिकारी मनीष सिंह अपने इलाके में हो रहे अवैध कार्य की जानकारी नहीं होने का नाटक कर मामले को दबाने में जुटे हुए हैं।

### खुदाई स्थल की कर रहे हैं खोजबीन : रेंजर

एयरटेल कंपनी का केबल बिछाने का यह काम करीब 10 किलोमीटर तक हो चुका है और इलाके के रेंजर (परिक्षेत्र अधिकारी) मनीष सिंह संवाददाता के पूछने पर बताया कि वे जगह को खोजने में जुटे हैं,जहां पर खुदाई हो रही है। रेंजर का यह कथन हास्यपद नजर आता है। बीच जंगल सड़क किनारे मशीन से खुदाई हो रही है और वन अमले को इसका पता न चले ऐसा कैसे संभव हो सकता है। इस मामले में कटघोरा के डीएफओकुमार निशांत का पक्ष जानने की कोशिश की गई मगर उन्होंने फोन रिसीव करने की बजाय काट दिया। इसके बाद उन्हें एसएसएस और व्हाट्सएप भेजकर जानकारी देने का अनुरोध किया गया मगर तब भी उन्होंने कोई रिस्पॉन्स नहीं दिया।

# सूरजपुर में कबाड़ जीप-टैक्सियों का आतंक,प्रशासन की चुप्पी पर शिवसेना इकाई सूरजपुर ने उठाए सवाल

-संवाददाता-

सूरजपुर, 15 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले की सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रही पुरानी कबाड़ जीप एवं टैक्सियां आम यात्रियों की जान से खिलवाड़ कर रही हैं। इन गाड़ियों की हालत इतनी जर्जर है कि न तो इनका फिटनेस प्रमाणपत्र मान्य है, न प्रदूषण नियंत्रण का पालन होता है और न ही इनके पास वैध परमिट हैं। इसके बावजूद यात्री रोजाना इन्हीं गाड़ियों में सफर करने को मजबूर हैं।

शिवसेना इकाई सूरजपुर ने इस गंभीर मुद्दे को उठाते हुए प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। शिवसेना उद्धव गुट के जिला अध्यक्ष विष्णु वैष्णव ने बताया कि इस संबंध में लगभग तीन माह पूर्व कलेक्टर महोदय को लिखित आवेदन सौंपा गया था, लेकिन अब तक निष्पक्ष जांच नहीं की गई। नतीजतन आज भी यह खटारा वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा कि जिला प्रशासन यदि तत्काल कार्रवाई नहीं करता है तो शिवसेना इकाई सूरजपुर सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रियों की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ज्ञापन सपने में जिला अध्यक्ष विष्णु वैष्णव सूरजपुर ब्लॉक अध्यक्ष मोहन सिंह टेकाम ग्रामीण जिला अध्यक्ष हेमंत कुमार महंत,संजय,अर्जुन,गौतम कुमार अन्य शिव सैनिक शामिल रहे।

# पहली बार उद्योग मंत्री पहुंचे छ.ग.चैंबर की MSME Summit में और चैंबर की मांग पर की कई घोषणाएं...

-संवाददाता-

एमसीबी, 15 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जिला एमसीबी ने अपने जिले के व्यापारियों को छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति की जानकारी देने और एमसीबी जिले में उद्योगों की संभावना पर 14 सितंबर रविवार को विमल श्री सिनेप्लेक्स में एमएसएमई समिट 2025 का आयोजन किया,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन जी और विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जयसवाल जी उपस्थित थे! चेंबर प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन प्रदेश मंत्री संजीव ताम्रकार और जिला अध्यक्ष मनीष अग्रवाल के नेतृत्व में जिले के सैकड़ों व्यापारियों ने सबमिट में शामिल होकर अतिथियों का सम्मान किया, स्वागत भाषण जिला महामंत्री विनय अग्रवाल ने दिया उपस्थित व्यापारियों को रायपुर से आए सीएसआईडीसी के अधिशासी निदेशक आलोक त्रिवेदी,एसईसीएल के केपी सिंह, सेंट्रल बैंक के रिजिनल मैनेजर रणधीर सिंह ,पंजाब नेशनल बैंक के रीजनल मैनेजर आलोक कुमार,भारत पेट्रोलियम के विनय कुमार ने एमसीबी जिले में उद्योगों की संभावना और औद्योगिक नीति से जिले को फायदे और सब्सिडी की जानकारी दी सीए अरिहंत जैन ने उपस्थितों को मंत्र मुक्त करते हुए जिले के परिपेक्ष में औद्योगिक नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिसको उपस्थित व्यापारियों और मंचस्थ अतिथियों ने काफी सराहा जिला अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने वर्तमान औद्योगिक नीति को जिले के लिए फायदेमंद बताते हुए अपना वक्तव्य दिया प्रदेश मंत्री संजीव ताम्रकार ने भी उपस्थित व्यापारी समूह को चेंबर की गतिविधियों से अवगत कराते हुए ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगाने की बात कही प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन ने चेंबर सदस्य और संरक्षक के रूप में दोनों मंत्री का स्वागत करते हुए एमसीबी जिले के लिए निम्न मांग रखी।

### मंत्री से की गई मांग ...

- » मनेंद्रगढ़ चिरमिरी के मध्य एक और इंडस्ट्रियल एरिया की घोषणा की जाए
- » चैनपुर इंडस्ट्रियल एरिया में स्ट्रीट लाइट ड्रेनेज सीवरेज ड्रिंकिंग वाटर आदि की व्यवस्था की जाए
- » वनोपज आधारित केल्हारी क्षेत्र में इंडस्ट्रियल एरिया बनाई जाए
- » जिले के कलेक्टर बिल्डिंग के पास ही व्यापार उद्योग भवन का निर्माण हो
- » जिला मुख्यालय के नजदीक उदल कछार स्टेशन को रैक पॉइंट बनाते हुए उसके आसपास ही लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना की जाए

### पहली बार दो-दो मंत्रियों के साथ

उपरोक्त मांगों का स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जयसवाल ने भी समर्थन करते हुए मांग की जिस पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन जी ने अपनी सहमति जताते हुए केल्हारी में इंडस्ट्रियल एरिया और चैनपुर इंडस्ट्रियल एरिया में इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित घोषणाएं की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि मनेंद्रगढ़ चिरमिरी के मध्य जमीन फाइनल कर प्रस्ताव भेजें जिस पर उपस्थित चैंबर पदाधिकारी और व्यापारियों ने करतल ध्वनि से मंत्री जी का धन्यवाद किया क्षेत्र में पहली बार दो-दो मंत्रियों के साथ किसी व्यापारिक संगठन का कार्यक्रम आयोजित हुआ था,चिरमिरी महापौर ग्राम नरेश राय, महाप्रबंधक हसदेव एरिया श्री उमेश शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले,पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल केसरवानी,नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा,विधायक प्रतिनिधि सरजू यादव,सेंट्रल बैंक पीएनबी के ब्रांच मैनेजर सहित काफी संख्या में चिरमिरी खडगवां बैकुंठपुर मनेंद्रगढ़, खोंगापानी, झगड़ाखान से व्यापारी शामिल हुए, अंत में चेंबर कार्यकारी अध्यक्ष गणेश सोनी ने आए हुए अतिथियों और व्यापारियों का आभार ज्ञापित किया

# महिला एवं बाल विकास मंत्री का नशा मुक्ति केंद्र में औचक निरीक्षण

### लाभार्थियों से की सीधी बातचीत, सुविधाएं सुधारने के दिए निर्देश

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़, 15 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मंगलवार को खोगापानी स्थित नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में रह रहे लाभार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं जानें और उनकी प्रगति की जानकारी प्राप्त की। मंत्री राजवाड़े ने उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं,पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए इससे दूरी बनाना ही जीवन में सफलता की कुंजी है। निरीक्षण के दौरान मंत्री जी ने केंद्र प्रबंधन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पुनर्वास कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नशा छोड़ चुके लाभार्थियों के लिए आजीविका के साधन और कौशल विकास की योजनाओं से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए,ताकि वे आत्मनिर्भर होकर समाज में सम्मानजनक जीवन जी सकें।

# जिला स्तरीय खेलो इंडिया अस्मिता वुशू सिटी लीग प्रतियोगिता सम्पन्न

-संवाददाता-

सूरजपुर, 15 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

रामानुजनगर जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने तथा खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा हेतु मंच प्रदान करने के उद्देश्य से खेलो इंडिया अस्मिता वुशू सिटी लीग प्रतियोगिता का सफल आयोजन 13 और 14 सितंबर को रामानुजनगर स्थित मंगल भवन में किया गया। दो दिवसीय इस आयोजन में जिलेभर से 105 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर मयंक श्रीवास्तव (आईपीएस,डायरेक्टर जनरल),छत्तीसगढ़ वुशू संघ के अध्यक्ष संजय पिल्लई (आईपीएस) तथा संघ के सचिव रवि कोंडिया के मार्गदर्शन और नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इसके अलावा छत्तीसगढ़ वुशू संघ व जिला वुशू संघ के पदाधिकारी भी पूरे समय मौजूद रहे,जिनके प्रयासों से यह प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस प्रतियोगिता में सब-जूनियर,जूनियर और सीनियर वर्ग की बालिका और बालक वर्ग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सभी वर्गों में खिलाड़ियों ने स्वर्ण,रजत और कांस्य पदक अर्जित कर अपने-अपने विद्यालय,महाविद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। विशेष रूप से रामानुजनगर क्षेत्र के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक पदक हासिल किए और प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

### जिलेभर से सहभागिता

इस प्रतियोगिता में सूरजपुर जिले के दूरस्थ एवं सीमावर्ती अंचल जैसे बिहारपुर, भैयाथान, सूरजपुर, रामानुजनगर,प्रतापपुर,ओड़गी और प्रेमनगर विकासखण्डों के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपने दमखम से यह साबित किया कि खेल प्रतिभा केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में भी खेल के प्रति गहरी रुचि और समर्पण मौजूद है।

### मार्गदर्शन व प्रोत्साहन

कार्यक्रम में खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय का विशेष योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास के साथ अपने-अपने भार वर्ग में मुकाबला किया और विजयी होकर उभरे। आयोजन समिति और पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को उत्साहपूर्वक प्रोत्साहित किया।

### गौरव का क्षण

प्रतियोगिता में जीते गए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक न केवल खिलाड़ियों के व्यक्तिगत जीवन में उपलब्धि हैं, बल्कि जिले के लिए भी गौरव का विषय हैं। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर पदाधिकारियों ने विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया और भविष्य में राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर खेलने की शुभकामनाएँ दीं। जिला उपाध्यक्ष श्रीमति रेखा राजलाल राजवाड़े,जिला जनपद सदस्य श्री मती हेमलता राजवाड़े मुख्य अतिथि रहे

# क्या राजनीतिक आबोहवा खराब हो रही जिसका महाविद्यालय पर पड़ेगा बुरा असर?

**मुख्यमंत्री व मंत्री बनते ही वह पूरे प्रदेश के होते हैं या फिर किसी एक वर्ग के...क्या विपक्षी दल के नेता व विधायक मुख्यमंत्री या मंत्री के पास अपनी मांग नहीं रख सकते?**

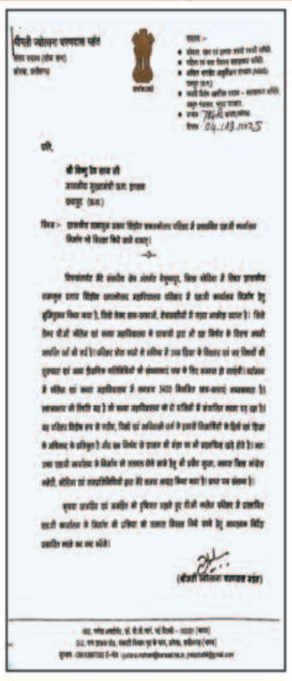

## विपक्ष धरने से क्यों डर रहा है?

जिला विभाजन कोरिया जिले के लिए एक काला अध्याय माना जाएगा यह कहीं से संशय का विषय नहीं है और ऐसा माना भी जाता है,जिला विभाजन के निर्णय उपरांत तब का विपक्ष महीने भर के धरने पर बैठा था और जिसे अपार जन समर्थन मिला था,यह अलग बात है नेतृत्व भाजपा के एक शहर नेता ने किया था लेकिन समर्थन उन्हें पूरे जिले के लोगों का मिला था अपार समर्थन जिसे कहा जा सकता है,जिला विभाजन तय था जानते हुए क्योंकि यह तत्कालीन स्थानीय विधायक की मंशा भी थी आंदोलन धरना भाजपा ने दिया था गलत का विरोध किया था वहीं आज जब कांग्रेस महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण का विरोध करती नजर आ रही है,लगातार पत्राचार और बयान जारी कर रही है क्यों धरना प्रदर्शन नहीं कर रही है बड़ा सवाल है। क्या वह केवल और केवल राजनीतिक लाभ लेने बयानबाजी तक ही सीमित रहकर श्रेय की राजनीति कर रही है,यदि गलत है निर्णय और कांग्रेस को लगता है उन्होंने एक भी धरना प्रदर्शन नहीं किया क्यों यह सवाल उठता रहेगा।

## कोरिया बचाने के लिए संघर्ष समिति बनी थी महाविद्यालय बचाने के लिए कोई अतिरिक्त प्रयास नहीं...

जिला विभाजन हुआ जिला बचाओ संघर्ष समिति बनी,तब जिले के लोगों का समर्थन मिला और दलगत भावना से अलग जाकर जिलेवासियों ने संघर्ष समिति का साथ दिया था,आज महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय बन रहा है,इसे गलत निर्णय बतलाया जाया जा रहा है प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी इसे सही निर्णय नहीं बतला रही है फिर भी कोई समिति इसे बचाने नहीं बनाई गई और न ही कोई संघर्ष नजर आया। केवल बयान है बयान विरोध में सुनाई दिए पत्राचार की बातें सामने आई प्रत्यक्ष संघर्ष या किसी समिति का गठन भी नजर नहीं आया। विरोध मौखिक लिखित ही देखने सुनने मिलता रहा जो जारी है।

**क्या सत्ताधारी दल के मुख्यमंत्री मंत्री और विधायक विपक्ष की मांगो पर विचार नहीं कर सकते?**

**राजनीति में अचानक इस प्रकार का बदलाव क्या देश के लिए घातक साबित होगा?**

**सदन में नेताओं के विचारों के सही गलत के फैसले अब सिर्फ राजनीतिक फैसला हो गए?**

-रवि सिंह-

कोरिया,15 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

किसी भी राज्य या देश में सरकार गठित होने के बाद वह सरकार सभी की हो जाती है हर किसी को सरकार से अपने अनुसार मांग करने का अधिकार होता है,यहां तक की राजनीतिक पार्टियां भी भले ही अलग-अलग विचारधाराओं की होती हैं पर जब सत्ता पर आसीन होती हैं तो सभी की बात सुनने की परम्परा होती है,पर क्या आजकल राजनीति की आबोहवा खराब हो रही है? यह सवाल इसलिए हो रहा है क्योंकि अब पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान सांसद यदि राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिख रहे हैं और कुछ मांग कर रहे हैं तो क्या उस पर सरकार को पुनर्विचार नहीं करना चाहिए क्या वह पत्र सिर्फ कागज के टुकड़े हैं या फिर विपक्षी पार्टी की मांग है,विपक्ष के पत्र है इसलिए उस पर विचार नहीं किया जा सकता क्या, अब सदन में या फिर संविधान में या फिर सुनने की क्षमता में कमी आ गई है,या फिर राजनीतिक दलों की सिर्फ अपनी ही सरकार के कार्यकाल में ही सुनवाई होगी,जिस दल की सरकार है वही उनकी बात सुनेगी, दूसरे दल की बात मौजूदा सरकार नहीं सुनेगी क्या यही अब नई संस्कृति होने वाली है अब सदन में वह गरिमा नहीं रह जाएगी जो पहले दिखा करती थी वर्तमान राजनीति में कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है यदि वर्तमान सत्ताधारी सरकार से विपक्ष कोई मांग करेगा तो वह पूरी नहीं होगी, उनके मांग पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा क्योंकि यह जीता जागता उदाहरण कोरिया जिले के महाविद्यालय के मामले में देखा गया है जब पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान सांसद ने मुख्यमंत्री से महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय ना बनाने की मांग की तो उस पर कोई भी विचार नहीं हुआ बल्कि निर्माण कार्य तेज कर दिया गया सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। मामला कोरिया जिले में नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय भवन का है जो महाविद्यालय परिसर में बन रहा है और जिसका महाविद्यालय प्रबंधन,छात्र नागरिक सभी विरोध कर रहे हैं निर्माण अन्यत्र किए जाने की मांग कर रहे हैं। जन अपेक्षा महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण के खिलाफ है जिसमें छात्र महाविद्यालय प्रबंधन की भी इसी तरह की मंशा शामिल है,जन अपेक्षा को देखते हुए विपक्ष जन अपेक्षा के पक्ष में है और वह लगातार अलग अलग स्तर से यह मांग कर रहा है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय अन्यत्र बनाया जाए महाविद्यालय परिसर में यह न बनाया जाए जिससे महाविद्यालय का विस्तार और छात्रों की स्वतंत्रता बाधित हो वहीं इसके विपरीत जिला प्रशासन और सत्ताधारी दल के नेता अडिग हैं निर्णय पर और वह हर हाल में निर्माण स्थल परिवर्तन का विचार त्याग चुके हैं। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री, क्षेत्रीय सांसद जो विपक्षी दल के हैं ने भी जन अपेक्षा अनुसार मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है और जिसमे उन्होंने मांग की है कि महाविद्यालय परिसर से अन्यत्र बनाया जाए पुलिस अधीक्षक कार्यालय,वैसे इन पत्रों के बाद अब निर्माण कार्य में अतिरिक्त प्रगति नजर आने लगी है और सुरक्षा व्यवस्था भी तगड़ी नजर आने लगी है,जिला प्रशासन किसी भी स्थिति में निर्माण स्थल को लेकर समझौता करता नजर नहीं आ रहा है जिससे यह साफ होता जा रहा है कि मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र नाकाफी साबित हो चुके हैं और पत्र भले ही किसी ने लिखा हो। वैसे इस विषय में यह सवाल लाजमी है कि क्या अब विपक्ष की बातें अनसुनी ही होती ही रहने वाली हैं सरकार भले किसी की हो,वैसे यह वैसा ही अनुसरण भी है जैसा जिला विभाजन के समय नजर आया था तब भी तात्कालिक सत्ता ने विरोध को अनसुना किया था। वैसे यह नई परम्परा लोकतंत्र के लिए घातक साबित होगी यह तय है क्योंकि ऐसे में विपक्ष की भूमिका ही समाप्त हो जाएगी वह अप्रासंगिक होता चला जाएगा।

## विपक्ष का विरोध और निर्माण कार्य में तेजी यह उदाहरण है कि सत्तापक्ष विपक्ष को पूर्व की उसकी गलती याद दिला रहा है?

महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण का निर्णय गलत है इससे महाविद्यालय का विस्तार प्रभावित होगा इससे छात्रों की स्वतंत्रता बाधित होगी इस तथ्य के साथ सबसे पहले विरोध छात्र संघ,छात्र और महाविद्यालय प्रबंधन को करते देखा गया।जब तक विपक्ष कांग्रेस विरोध में सामने नजर नहीं आई तब तक निर्माण भी धीमी गति से जारी नजर आया। जैसे ही कांग्रेस ने विरोध में शामिल होने की घोषणा की सत्ता पक्ष का संगठन भी निर्माण के पक्ष में सामने आया और निर्माण और प्रगति के विरोध को गलत बताते हुए विकास को अवरुद्ध न करने की बात प्रसारित की,कुल मिलाकर देखा जाए तो कांग्रेस के विरोध में सामने आते ही सत्ता पक्ष ने यह जता दिया कि जिला विभाजन तब कांग्रेस का गलत निर्णय था जिस निर्णय के कारण जिला आज अपनी बदहाली के लिए जाना जा रहा है,कांग्रेस के विरोध में सामने आते ही निर्माण कार्य में तेजी आई और अब सुरक्षा के साथ निर्माण कार्य काफी तेजी से किया जा रहा है,यह विपक्ष कांग्रेस को एक सीख या संदेश देने जैसा मामला लगता है जिसमें उन्हें बताया जा रहा है कि अपने निर्णय पर तब आप अडिग नहीं रहे होते जिला संपूर्ण होता सम्पन्न होता और आज जिले की यह स्थिति नहीं होती,तब विपक्ष की आवाज आपने सुनी होती आज हम भी आपकी आवाज अनसुनी नहीं करते।

## क्या कोरिया जिले की कलेक्टर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए निर्विवाद भूमि नहीं खोज सके?

कोरिया जिले में बन रहा पुलिस अधीक्षक कार्यालय आज सुर्खियों में है,ऐसा इसलिए है क्योंकि काफी मशक्कत के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए भूमि की उपलब्धता हो सकी है और वह भी तब जब कई जगह चयनित भूमि पर निर्माण की सहमति नहीं बनाई जा सकी और अंत में महाविद्यालय परिसर को ही आसान स्थल माना गया,आज भवन निर्माण जारी है और एक तरफ जन विरोध भी खड़ा है,अब सवाल यह है कि क्या कलेक्टर कोरिया अथक प्रयास के बावजूद निर्विवाद भूमि नहीं ढूंढ पाई। आज यह विषय छात्र,संगठन,महाविद्यालय प्रबंधन, विपक्ष के लिए विरोध का मुद्दा है और यह विरोध होगा क्या यह पूर्व अनुमान जिला प्रशासन नहीं लगा पाया।वैसे महाविद्यालय परिसर में निर्माण के दौरान विरोध होना तय है क्या यह जिला प्रशासन जानता था और इसलिए ही भूमिपूजन उपरांत ही निर्णय सामने आया।

## अफवाह है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए दूसरी भूमि खोजी जा रही है, जब भूमि खोजी जा रहा है तो फिर निर्माण कार्य बंद क्यों नहीं है?

अफवाह है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निर्माण के लिए दूसरी भूमि तलाशी जा रही है,वैसे महाविद्यालय परिसर की भूमि पर कड़ी सुरक्षा में तेजी से नए भवन का निर्माण कार्य भी जारी है,ऐसे में यदि भूमि नई तलाशी जा रही है तो क्यों फिर तेजी से निर्माण कार्य जारी है यह बड़ा सवाल है।

## भाजपा विपक्ष में जिला नहीं बचा पाई और कांग्रेस विपक्ष में महाविद्यालय नहीं बचा पाएगी?

वैसे कोरिया जिले में लगातार जो देखने को मिलता चला आ रहा है उसके बाद एक सवाल जरूर खड़ा होता है कि क्या पुलिस अधीक्षक कार्यालय महाविद्यालय परिसर में बनकर रहेगा,क्या कांग्रेस इस निर्माण को अन्यत्र स्थापित करवा पाने में विफल हो चुकी है,वैसे यह वैसी ही पुनरावृत्ति है जैसा जिला विभाजन के दौरान नजर आया था,तब सरकार कांग्रेस की थी और जिला विभाजन का विरोध भाजपा के नेता कर रहे थे और तब भी निर्णय पर तब की सरकार अडिग थी और कोरिया जिले को एक तरह से अस्तित्वहीन अप्रासंगिक तब के विधायक के कार्यकाल में कर दिया गया था जो आज तक अप्रासंगिग ही चला आ रहा है,वैसे जिस तरह भाजपा जिला विभाजन नहीं रोक पाई उसी तरह कांग्रेस महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण नहीं रोक पाएगी क्या यह तय हो चुका है? पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण के पक्ष में स्थानीय विधायक सहित पूरी भाजपा खड़ी नजर आ रही है और एक तरफ जनविरोधी खड़ा है,कांग्रेस जनविरोधी को अपने पक्ष में साधने तैयार तो नजर आ रही है लेकिन अपनी ही जिला विभाजन वाली करनी उसके पैरों की जंजीर बनती नजर आ रही है जो उसे कदम बढ़ाने की बजाए वापस लेने विवश करती नजर आ रही है।

# दर्द से तड़पता हुआ मिला ठेकेदार, अपहरण फिर जमकर पिटाई करने का आरोप

-संवाददाता-

कोरबा,15 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

आदिवासी ठेकेदार के साथ अपहरण और मारपीट का मामला सामने आया है। पंडरीपानी गांव के रहने वाले इंद्रपाल सिंह कंवर के साथ सीएसईबी कर्मी और राखड़ ठेकेदार के गुर्गों ने दबंगई दिखाई।

घटना उस समय हुई जब इंद्रपाल काम से बेदरकोना से लौट रहा था। सीएसईबी कर्मी नंदू पटेल अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा। उन्होंने बिना किसी कारण इंद्रपाल पर हमला किया। आरोपियों ने उसे जबरन स्कॉर्पियो में बिठा लिया। बचाव के लिए चिल्लाने पर उसके मुंह और आंखों पर कपड़ा बांध दिया। आरोपी इंद्रपाल को शारदा विहार स्थित एक कंपनी के दफ्तर ले गए। वहां उसकी बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद उसे ढेलाडीह मार्ग पर फेंक दिया। आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। पीड़ित ने सिविल लाइन थाने में नंदू पटेल, दुर्गेंद्र पटेल, राजू पटेल और शत्रुहन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कोरबा एसपी भूषण एक्का ने बताया कि अपहरण और मारपीट का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

# वन विभाग ने हाथी-मानव द्वंद पर जन जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर,15 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के वन परिक्षेत्र प्रतापपुर अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धरमपुर में 15.9.2025 को मुख्य वन संरक्षक सरगुजा वन वृत्त माथेश्वरन के मार्गदर्शन तथा वन मंडलाअधिकारी सूरजपुर पंकज कमल के नेतृत्व में लुप्त हो रहे पक्षियों के संरक्षण एवं हाथी मानव द्वंद पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वन्य प्राणी विशेषज्ञ आर के पांडे द्वारा हाथियों के सामान्य व्यवहार,हाथियों से मुठभेड़ के दौरान किए जाने वाले बर्ताव, तथा जंगली हाथियों की पहचान करने,तथा मानव हाथी द्रीन्द प्रबंध करने एवं हाथियों से सुरक्षा के उपाय के बारे में विस्तार से छात्रों को बताया और समझाया। और उन्होंने स्कूली बच्चों को वनों के विनाश से होने वाले जलवायु परिवर्तन के बारे में जानकारी दी तथा वनों में आग न लगाने समझाइस देते हुए आग लगने के दौरान उसे बुझाने समझाइश दी। वन परिक्षेत्रा अधिकारी प्रतापपुर ने अपने उद्बोधन में कहा-हाथियों से मुठभेड़ के दौरान किए जाने वाले बर्ताव, तथा जंगली हाथियों की पहचान करने,मानव हाथी द्रीन्द प्रबंध करने एवं हाथियों से सुरक्षा के उपाय तथा अचानक गांव में हाथियों के घुसने पर सतर्कता बरते और छेड़खानी ना करें,जिससे हाथी उग्र हो और हमला करे, वन्य प्राणी विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिक डॉक्टर रवि टेमरे द्वारा हाथियों से सामना होने पर बचाव के विभिन्न तरीके से समझाने का प्रयास किये कार्यक्रम में उपस्थित रहे स्थानीय जनप्रतिनिधि लाल संतोष सिंह ने हाथियों के साथ सहजीविता पर विशेष जोर देते हुए छात्रों एवं शिक्षकों से अपील किए कहा हाथियों को छेड़खानी ना करें और उनसे जितना हो सके दूरी बनाए रखें। कार्यक्रम में प्रतीक जैसवाल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धरमपुर के प्राचार्य प्रेमसाय पैकरा तथा समस्त स्टॉप शिक्षक सहित वन परिक्षेत्र प्रतापपुर के कर्मचारी और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# 8 साल की उम्र में डांस रिएलिटी शो डीआईडी लिटिल मास्टर्स से शुरूआत की : अवनीत कौर

## इंस्टाग्राम पर 31.6 मिलियन फॉलोअर्स वाली सोशल मीडिया स्टार अवनीत कौर बड़े पर्दे पर हीरोइन के रूप में भी अपनी चमक बिखेर रही हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं,अपनी नई फिल्म लव इन वियतनाम को लेकर...

**आपने 8 साल की उम्र में डांस रिएलिटी शो डीआईडी लिटिल मास्टर्स से शुरुआत की। झलक दिखला जा में दर्शील सफारी की कोरियोग्राफर रहीं। फिर ऐक्टिंग की ओर कैसे झुकाव हुआ?**

असल में, मेरे ऐक्टर बनने में डांस का ही हाथ है। मेरी शुरुआत डांस से हुई, पर मैं हमेशा से ही ऐक्टर बनना चाहती थी। मैंने कथक सीखा है, जिसमें काफी भाव भंगिमाएं और अदाएं होती हैं और उसी से मुझमें ऐक्टिंग का कीड़ा जागा, तो कथक ने मुझे ऐक्टिंग की ओर प्रेरित किया।

**अपने फिल्मी करियर में रानी मुखर्जी (मर्दानी), नवाजुद्दीन सिद्दीकी (टीकू वेड्स शेरू), राज बब्बर (लव इन वियतनाम) जैसे दिग्गजों के साथ ने आपको बतौर कलाकारा कितना संवारा?**

निश्चित तौर इन सबसे बहुत सीखा, पर नवाज सर के साथ काम करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा था। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगी। वह बहुत ही अंडरस्टैंडिंग हैं। टीकू का किरदार करना मेरे लिए आसान नहीं था। मैं सिर्फ 17 साल की थी और बहुत डरी हुई थी, पर नवाज सर ने मुझे स्पेस और टाइम दिया। वरना कभी-कभी सीनियर ऐक्टर टोक देते हैं क्योंकि आप यंग हैं या नए हैं तो नर्वस हो जाते हैं, लाइन भूल जाते हैं, मगर उन्होंने मुझे वो वक्त दिया कि तू कर, जैसे तुझे करना है, मैं तेरे साथ हूं।

**आपने बहुत कम उम्र में बहुत ज्यादा स्टारडम हासिल की है। आप कान्स फिल्म फेस्टिवल तक में शामिल हुईं, जिसे लेकर आपको ट्रोल भी किया गया। इन चीजों को कैसे हैंडल करती हैं?**

निश्चित तौर पर बुरा लगता है। आखिर तो हम भी इंसान ही है, लेकिन मैं बहुत वक्त से ये चीजें देख रही हूं, तो अब थोड़ा मैच्योर हो गई हूं। अभी थोड़ा ठहराव आ गया है, तो जब ये चीजें होती हैं तो मैं पॉजिटिव साइड देखने की कोशिश करती हूं। उन लोगों की सोचती हूं, जो इतना लोग प्यार देते हैं। मुझे पता है कि मैंने यहां तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की है।

**कई एक्ट्रेसेस ने कान्स में अपने लुक और कपड़ों को लेकर दबाव में होने की बात कही है। आपके साथ भी ऐसा कुछ था?**

कोई भी चीज जब आप पहली बार करते हैं तो नर्वसनेस होती ही है। कान्स को लेकर मुझे भी ये टेंशन थी कि मैं क्या पहनूं, क्योंकि मैं अपने फैशन और स्टाइल को बहुत सीरियसली लेती हूं। वह मेरे लिए बहुत इंपॉर्टेंट है। मुझे ज्यादा आत्मविश्वास महसूस होता है, जब मैं एक अच्छा आउटफिट पहनती हूं या अच्छा लुक कैरी करती हूं। हालांकि, कोई टीम नहीं थी, मैंने खुद ही अपना कान्स का लुक स्टाइल किया था।

**वहां टॉम क्रूज जैसे हॉलिवुड स्टार से मिलने का अनुभव कैसा रहा?**

दुनिया से ऊपर। टॉम क्रूज लेजेंड हैं, मुझे उन्हें लाइव ऐक्टिंग करते हुए देखने को मिला। उनको शूट करते हुए देखना जादू की तरह था। क्या पता कभी हम साथ में शूट करें। भविष्य में मुझे उनके साथ भी काम करने को मिले, मैं यह मेनिफेस्ट कर रही हूं।

### अवनीत कौर के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स

मुझे लगता है कि मैंने शुरुआत काफी जल्दी की थी, ये मेरा प्लस पाइंट रहा। यह फैन बेस धीरे धीरे ही बना है। अचानक कुछ नहीं हुआ, तो मेरा मानना है कि चूंकि हमने बहुत पहले ही मेहनत शुरू कर दी थी, इसलिए आज यहां तक पहुंचे हैं। हालांकि, मैं बस मजे के लिए विडियो और पोस्ट करती थी। तब बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि ये इतना बड़ा मंच बन जाएगा और अब टास्क ये है कि आप जिस जगह पहुंच गए हैं, उससे आगे कैसे बढ़ें।

**आपकी फिल्म एक प्रेम कहानी है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में सबसे जरूरी चीज क्या है?**

मैं जिस फील्ड में हूं, उसमें मेरे पार्टनर का अंडरस्टैंडिंग होना जरूरी है कि वो मुझे समझे। तभी एक मजबूत बॉन्ड बन सकता है।

# बेंचिंग-घोस्टिंग शब्द नए,कैसेनोवा पहले भी होते थे प्यार में स्पॉन्ज बनना पड़ता है : शांतनु माहेश्वरी

*डांसर के रूप में वाहवाही बटोरने वाले शांतनु माहेश्वरी अब बतौर ऐक्टर भी लोगों का दिल जीत रहे हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी और औरों में कहां दम था जैसी फिल्मों के बाद अब वह फिल्म लव इन वियतनाम में लीड भूमिका निभा रहे हैं। शांतनु के मुताबिक, डांस की वजह से उन्हें ऐक्टर बनने में काफी मदद मिली, क्योंकि हर डांसर में एक ऐक्टर होता ही है।*

**डांस में भी ऐक्टिंग होती ही है...**

इन दिनों शांतनु की तरह डांसर रहे राघव जुयाल भी ऐक्टर के रूप में धमाल मचा रहे हैं। ज्यादातर डांसर्स के ऐक्टिंग की ओर रुख करने को लेकर शातनु का कहना है, अगर आप डांसर हैं, तो ऐक्टिंग खुद-ब-खुद आ जाती है। डांस में भी मुद्राएं होती हैं, आपको आंखों से भाव दिखाने होते हैं। आप सिर्फ स्टेप्स करके अच्छे डांसर नहीं बन सकते। आप अच्छे डांसर तभी होते हैं, जब उन भावों को भी दिखाते हैं। डांस आपको रिद्म सिखाता है, जो ऐक्टिंग में भी काम आता है। इसलिए, मेरा मानना है कि डांस से ऐक्टिंग में मदद मिलती है। बाकी, जरूरी नहीं कि हर डांसर आगे ऐक्टर ही बने, यह सबकी अपनी-अपनी चॉइस है।

**दिलफेंक आशिक पहले भी होते थे...**

गंगूबाई काठियावाड़ी और औरों में कहां दम था के बाद शांतनु लव इन वियतनाम में भी एक जुनूनी आशिक की भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन आज के घोस्टिंग, बेंचिंग वाले दौर में वह इस शिद्दत वाले प्यार से कितना रिलेट करते हैं? इस पर वह कहते हैं, ये चीजें पहले भी हुआ करती थीं, बस ये शब्द नहीं गढ़े गए थे। वरना दिलफेंक आशिक पहले भी घूमते थे। कैसानोवा पहले भी होते थे। बेंचिंग का कॉन्सेप्ट पहले भी था,बस ये शब्द नहीं बने थे। अब इनका इस्तेमाल ज्यादा होने लगा है। हालांकि, मैं तो शिद्दत वाले प्यार में यकीन करता हूं। मेरा मानना है कि प्यार में वो ताकत होती है कि आप उसके लिए कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन क्या शांतनु ने खुद प्यार में कोई हद पार की है? इस पर वह बताते हैं, ऐसा बहुत हटकर तो नहीं, मगर कई बार प्यार में आपको स्पॉन्ज बनकर सबकुछ सोखना पड़ता है, सामने वाले का फ्रस्ट्रेशन,गुस्सा, भड़ास क्योंकि आप उस इंसान को प्यार करते हैं। वो मैंने किया है।

### टैलेंट की कद्र न होने पर बुरा लगता है

फिल्म में शांतनु के साथ सोशल मीडिया स्टार अवनीत कौर भी हैं। इन दिनों इंडस्ट्री में टैलंट के बजाय सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर कास्टिंग करने को लेकर भी बहस छिड़ी हुई है। इस बारे में शांतनु का कहना है, कभी-कभी इस बात का बुरा लगता है, पर जो चीज चल रही है, उससे आपको समझौता करना पड़ेगा। आपके या मेरे बोलने से कुछ होने नहीं वाला है। मार्केट में अगर यह चल रहा है तो आप इस पर काम करिए या इसे स्वीकार लीजिए। हालांकि, ऐसा नहीं है कि हर कोई इसी आधार पर कास्टिंग कर रहा है, लेकिन निश्चित तौर पर अगर आपके सोशल मीडिया फॉलोअर्स हैं तो बहुत बड़ा प्लस पाइंट है। मान लीजिए, जैसे दो टैलंटेड ऐक्टर हैं, उसमें जिसके फॉलोअर्स ज्यादा होंगे, उसे वरीयता मिलेगी क्योंकि वह एक सोशल मीडिया फैक्टर लेकर आएगा। इसे मैं सही या गलत नहीं बोलूंगा लेकिन इससे डील करना पड़ेगा।

### राज सर बोले, आज को इंजॉय करो

फिल्म में राज बब्बर जैसे सीनियर अभिनेता के साथ काम के अनुभव पर शांतनु ने बताया, मेरी राज बब्बर सर के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने बिल्कुल बिना किसी फिल्टर के मुझे अपनी जिंदगी के अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने बड़े पते की बात ये कही कि अभी जिस पल में हो उसे एंजॉय करो, क्योंकि हम ऐक्टर्स की जिंदगी इतनी अनिश्चित होती है कि किसी को नहीं पता कि ये वक्त फिर आएगा या नहीं। कभी हर कोई आपके साथ काम करना चाहेगा, तो कभी कोई पानी भी नहीं पूछेगा तो अभी जो है, उसका पूरा लुत्फ लो।

# फिल्म 'मिराई' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल,कमाए करोड़ों रुपये

तेलुगु अभिनेता तेजा सज्जा पिछले काफी समय से फिल्म मियाई को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे समीक्षकों से हरी झंडी मिली। इस फंतासी एक्शन-एडवेंचर फिल्म को दर्शक भी काफी पसंद कर रहे हैं। यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। अब मिराई की कमाई के तीसरे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें इजाफा देखने को मिला है।

**मिराई ने 3 दिन में कमाए 44.50 करोड़ रुपये :** बॉक्स ऑफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मिराई ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 16.50 करोड़ रुपये कमाए, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 44.50 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 13 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था, वहीं दूसरे दिन यह 15 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। इस फिल्म का अनुमानित बजट 60 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

**फिल्म में नजर आ रहे ये कलाकार :** मिराई के निर्देशन की कमान कार्तिक गट्ठमनेनी ने संभाली है। इस फिल्म में मांचू मनोज, रितिका नायक, श्रिया सरन, जयराम, जगपति बाबू, राजेंद्रनाथ जुत्शी, पवन चोपड़ा और तनजा केलर जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले बनी मिराई एक यंग योद्धा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे 9 पवित्र शास्त्रों की रक्षा करने का काम सौंपा गया है बता दें कि मिराई के सीक्वल मिराईः जैथरया का भी ऐलान हो चुका है।

## खेल समाचार

# मोहम्मद सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

## एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 23 विकेट झटके थे,मैट हेनरी और जायडन सील्स को पीछे छोड़ा

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025 (ए)।** भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आईसीसी ने अगस्त महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड दिया है। उन्होंने इस रेस में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जायडन सील्स को पीछे छोड़ा। सिराज को यह अवॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के ओवल टेस्ट में दमदार प्रदर्शन के लिए मिला है। उन्होंने आखिरी पारी में 5 विकेट लेकर भारत को 6 रन की रोमांचक जीत दिलाई थी। इसी जीत के सहारे भारत 2-1 से पिछड़ने के बावजूद सीरीज ड्रॉ कराने में कामयाब रहा।

**5 मैचों की इस सीरीज में 23 विकेट लिए :** 5 मैचों की इस सीरीज में भारत और इंग्लैंड के कई खिलाड़ी चोटिल रहे, लेकिन सिराज ने लगातार 5 टेस्ट में खेले। इतना ही नहीं, 23 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज बने। उन्होंने 185.3 ओवर डाले।

**ओवल टेस्ट में 9 विकेट झटके थे :** सिराज ने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ओवल टेस्ट जीता और सीरीज 2-2 से बराबर की। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

**हेनरी और सिल्स का प्रदर्शन :** न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 2-0 टेस्ट सीरीज जीत में 16 विकेट झटके। उन्होंने पहले टेस्ट में 6/39 और 3/51 तथा दूसरे में 5/40 और 2/16 के आंकड़े दर्ज किए। वेस्टइंडीज के जायडन सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 34 साल बाद वनडे सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट झटके। आखिरी मैच में उन्होंने करियर बेस्ट 6/18 परफॉर्म किया।

# सेंट्रल जोन ने 11 साल बाद रचा इतिहास,रजत पाटीदार की कप्तानी में साउथ जोन को 6 विकेट से रौंद जीता खिताब

**नई दिल्ली,15 सितम्बर 2025 (ए)।** सेंट्रल जोन ने 11 साल बाद दलीप ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराया। सेंट्रल जोन सातवीं बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बना है। इससे पहले 2014 में यह खिताब सेंट्रल जोन ने जीता था। सेंट्रल जोन को जीत के लिए महज 65 रन का टारगेट मिला था। टीम ने सोमवार को मुकाबले के पांचवें और आखिरी दिन 4 विकेट खोकर यह टारगेट हासिल कर लिया। इससे पहले, चौथे दिन साउथ जोन अपनी दूसरी पारी में 426 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन को महज 65 रन का टारगेट ही मिल सका। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर गुरुवार को सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। साउथ जोन पहली पारी में 149 रन ही बना सका। सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 511 रन बनाकर 362 रन की बढ़त हासिल की थी। सेंट्रल जोन ने दूसरी पारी में 65 रन बनाने में ही 4 विकेट गंवा दिए। हालांकि टीम ने यह मैच 6 विकेट से जीत लिया। टीम के लिए दूसरी पारी में अक्षय वाडकर 19 और यश राठौड़ 13 रन बनाकर नाबाद रहें। कप्तान रजत पाटीदार ने 13, शुभम शर्मा ने 8,दानिश मालेवार ने 5 और सारांश जैन ने 4 रन बनाए। साउथ जोन की ओर से गुरजापनीत सिंह और अंकित शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। सेंट्रल जोन के सारांश जैन ने टूर्नामेंट में 16 विकेट और 136 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। 194 रन बनाने वाले यश राठौड़ को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। दूसरी पारी में साउथ जोन से तन्मय अग्रवाल ने 26, मोहित काले ने 38, रविचंद्रन स्मरण ने 67 और रिकी भुई ने 45 रन की पारी खेली। कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन 27 और सलमान निजार 12 रन बनाकर आउट हुए।

# शराब घोटाला केस...चैतन्य के खिलाफ 7000 पन्नों का चालान पेश

## 4 बंडल दस्तावेज लेकर आई ईडी...ईओडब्ल्यू-एसीबी ने मांगी 7 दिन की रिमांड

**रायपुर,15 सितम्बर 2025।** छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ ईडी ने रायपुर कोर्ट में 7 हजार पन्नों से ज्यादा का चालान पेश किया है। ईडी के अधिकारी 4 बंडल दस्तावेज लेकर कोर्ट पहुंचे थे। वहीं चैतन्य की रिमांड के लिए ईओडब्ल्यू-एसीबी ने भी कोर्ट में आवेदन लगाया है। ईओडब्ल्यू-एसीबी ने चैतन्य से पूछताछ के लिए 7 दिन की रिमांड मांगी है, लेकिन कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। कल यानी मंगलवार को फिर से सुनवाई होगी। माना जा रहा है कि अब ईओडब्ल्यू-एसीबी की भी टीम भी घोटाले को ले कर पूछताछ कर जांच करेगी। इसके अलावा चैतन्य बघेल की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने पर जेल के अधिकारियों ने कोर्ट में पेश किया। चैतन्य के खिलाफ शराब घोटाला, कोल लेवी, महादेव सट्टा ऐप और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच चल रही है। चैतन्य बघेल की 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तारी हुई थी, तब से रायपुर जेल में बंद है।

### चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले : ईडी

दरअसल,शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ईडी के मुताबिक चैतन्य बघेल ने ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

**चैतन्य के प्रोजेक्ट में 13-15 करोड़ इन्वेस्ट :** ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विठ्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि, बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया,जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

### फर्जी फ्लैट खरीदी के जरिए पैसे की हेराफेरी

ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लो ने 19 फ्लैट खरीदने के लिए 5 करोड़ बघेल डेवलपर्स को ट्रांसफर किए। ढिल्लन ने ये फ्लैट अपने कर्मचारियों के नाम पर खरीदे लेकिन पेमेंट त्रिलोक ढिल्लो ने खुद दिया। ईडी ने जब ढिल्लन के कर्मचारियों से पूछताछ की तो कर्मचारियों ने बताया कि, ये फ्लैट की खरीदी उन्हीं के नाम पर हुई, लेकिन पैसे ढिल्लो ने दिए। ये सारा ट्रांजेक्शन 19 अक्टूबर 2020 को एक ही दिन हुआ। ईडी ने कहा कि ब्लैक को लीगल करने के लिए यह एक पूर्व-योजना के तहत किया गया लेन-देन था। इसका मकसद पैसे को छिपाकर चैतन्य बघेल तक पहुंचाना था।

### 5 करोड़ कैश के बदले फर्जी ट्रांसफर

ईडी के मुताबिक भिलाई के एक ज्वेलर्स ने चैतन्य बघेल को 5 करोड़ रुपए उधार दिए, लेकिन ईडी की जांच में सामने आया कि जो 5 करोड़ रुपए चैतन्य की दो कंपनियों को लोन के रूप में दिया गया । बाद में इसी ज्वेलर्स ने बघेल की कंपनी से 6 प्लॉट खरीदे, जिसकी कीमत 80 लाख थी। ईडी ने बताया कि यह पैसा शराब घोटाले से आया हुआ कैश था। यह पैसा बैंक के जरिए ट्रांसफर किया गया।

### पैसा छुपाने के लिए फ्रंट कंपनियों का इस्तेमाल

ईडी का दावा है कि चैतन्य बघेल ने घोटाले का पैसा पाने के लिए दूसरे लोगों और कंपनियों का इस्तेमाल किया ताकि ईडी और अन्य एजेंसियां ट्रैक न कर सकें। जैसे ढिल्लन सिटी मॉल में पैसा आया,फिर ढिल्लन ड्रिंक्स से कर्मचारियों को पैसा ट्रांसफर हुआ,फिर वही पैसा बघेल डेवलपर्स को दिया गया।

# दुर्ग पासिंग श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रेलर में घुसी,4 मौतें

## इनमें 3 महिलाएं जा रहीं थी रामलला के दर्शन करके

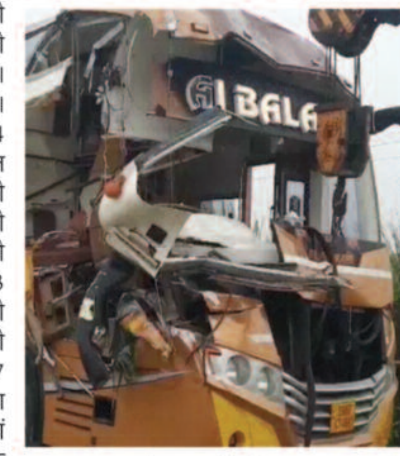

रेखा, मृतक

आशा, मृतक

**रायपुर,15 सितम्बर 2025।** यूपी के जौनपुर में 56 श्रद्धालुओं से भरी एसी बस पीछे से ट्रेलर में घुस गई। हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। 4 मृतकों में तीन महिलाएं आशा भवाल (30),रेखा बानिक,गुलाव देवी (32) कांकेर जिले की रहने वाली थीं। जबकि बस ड्राइवर दीपक यूपी का रहने वाला था। 56 में से 53 पखांजूर और 3 यात्री गढ़चिरौली महाराष्ट्र के रहने वाले थे। ये सभी बालाजी ट्रेवल्स की बस सीजी 07 सीटी 4681 में सवार होकर रामलला के दर्शन करने अयोध्या गए थे। वहां से वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने जा रहे थे। एसपी डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया- बस के आगे ट्रेलर चल रहा था। ओवरटेक के दौरान ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया और बस ट्रेलर से जा भिड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। हादसा इतना भयानक था कि आगे का केबिन पिचक गया। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। ट्रेलर चालक से पूछताछ की जा रही है। हादसे के चलते हाईवे पर कुछ देर जाम रहा, जिसे बाद में पुलिस ने खुलवाया। हादसा वाराणसी-लखनऊ हाईवे पर लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर के पास हुआ।

### पखांजूर से बैठे थे सभी यात्री

यूपी में जिस बस से हादसा हुआ है वो बस दो महीने पहले ही अर्जुंदा, बालोद निवासी वेद सोनकर ने खरीदी है। ट्रेवल्स का नाम बालाजी है। जिसने बस की बुकिंग की उसका नंबर बंद आ रहा है। सारे यात्री पखांजूर से बैठे थे। बस की बुकिंग भी वहीं से हुई है। बस में दो ड्राइवर सवार थे। जिसमें अर्जुंदा, बालोद निवासी ड्राइवर सुरक्षित है। दुर्ग निवासी ड्राइवर की मौत हो गई है। घायल यात्री दिलीप दास ने बताया- बताया कि हम 50 लोगों का एक ग्रुप 7 सितंबर को छत्तीसगढ़ से निकला था। हम सभी लोगों ने पहले अमर कंटक, मैहर देवी, चित्रकूट, वृंदावन,अयोध्या और फिर काशी विश्वनाथ दर्शन करने जा रहे थे। रविवार सुबह वृंदावन से अयोध्या धाम पहुंचे थे। हमने रामलला का दर्शन किया और अन्य मंदिरों में भी पूजा-अर्चना की। इसके बाद ऑटो से अयोध्या घूमा। फिर रात 11 बजे खाना खाने के बाद हम सभी बस में बैठ गए। रात ज्यादा हो गई थी, इसलिए सभी लोग बस में सो गए थे। दिलीप दास ने बताया- अयोध्या से निकलने के बाद 3 बजे अचानक बस किसी गाड़ी से टकरा गई। मैं पीछे बैठा था, इसलिए उसे केवल हल्की चोटें आईं। जब मैं बस से उतरा तो देखा कि ड्राइवर का केबिन पूरी तरह पिचक गया था।

# बस्तर फाइटर के जवान की मौत कार और बाइक के बीच हुई टक्कर

**बीजापुर,15 सितम्बर 2025।** बस्तर फाइटर के एक जवान की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है जब जवान बाइक पर सवार होकर आवापल्ली से बीजापुर की तरफ आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक तेज रफ्तार कार से बाईक की जबरदस्त भिड़ंत हो गई, जिससे जवान की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक,मृत जवान की पहचान रामकृष्ण ककेम के रूप में हुई है, जो ग्राम इलमिडी के कसारामपारा का रहने वाला था। वह आज सुबह ही अपनी बाइक से आव्वापल्ली से बीजापुर की ओर आ रहा था। इसी दौरान महादेवघाट के पास उसकी बाइक और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का सामने हिस्सा और बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। राहगिरों द्वारा हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पीएम के बाद मृत जवान के शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

# न्यूड पार्टी के आयोजकों को बचा रही सरकार : दीपक बैज

**रायपुर,15 सितम्बर 2025।** छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि, मौजूदा सरकार जनता के मुद्दों को छोड़कर नशा और नग्नता को बढ़ावा देने में लगी है। न्यूड पार्टी के पोस्टर को शेयर हुए 72 घंटे से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अभी तक आयोजकों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जो गिरफ्तार किए गए हैं, वे दूसरी स्ट्रेंजर पार्टी के आयोजक हैं। बैज ने कहा कि, बिना सरकार के संरक्षण के यह संभव नहीं है। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की संस्कृति को दूषित करने में लगी है। अभी तक मुख्यमंत्री का इस मामले में कोई बयान नहीं आया। पुलिस का मीडिया के सामने अधिकृत बयान नहीं आया ये किसको बचाना चाह रहे हैं? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, बेहद दुर्भाग्य जनक है कि विपक्ष में रहकर शराबबंदी की दुहाई देने वाली भाजपा की सरकार अब शराब की बिक्री और खपत बढ़ाने में लगी है। आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने बयान दिया है कि, और प्रीमियम शराब की दुकान खोली जाएगी। जिससे अच्छे लोग शराब पीने आगे आए। बैज ने कहा कि मतलब यह सरकार पूरे प्रदेश को शराब खोर बनाना चाहती है। प्रदेश में बिना होलोग्राम की अवैध शराब सरकार बिकवा के शराब की काली कमाई में लगी है। प्रदेश के बाहर से बड़ी संख्या में सरकार के संरक्षण में प्रदेश में अवैध शराब आ रही है।

# वन्यजीव तस्करी का काला खेल हिरण मांस के साथ 4 गिरफ्तार

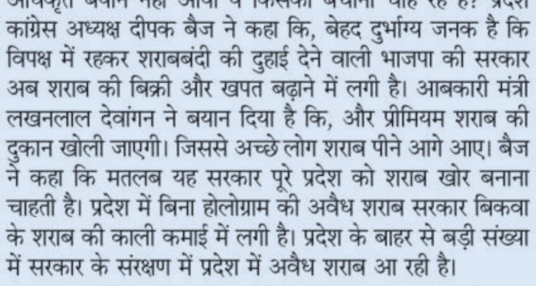

**डोंगरगढ़,15 सितम्बर 2025।** छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध तीर्थस्थल डोंगरगढ़ ब्लॉक में वन्यजीव तस्करी का सनसनीखेज कारोबार उजागर हुआ है। वन विभाग की सतर्क टीम ने वन ग्राम खोलारघाट से हिरण का अवैध शिकार कर मांस तस्करी करने वाले चार आरोपियों को धर दबोचा। बता दें कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने आरोपियों का पीछा शुरू किया। पकड़े जाने के डर से जे. डिनायल, नीलू फ्रांसिस, विशाल नंदेश्वर और विश्वनाथ ने हिरण का मांस एक ग्रामीण के घर में फेंक दिया। लेकिन टीम की चपलता ने चारों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। विभाग ने जब्त मांस, परिवहन में इस्तेमाल बाइक और अन्य सामग्री को कब्जे में ले लिया।

## मुख्यमंत्री दूरदर्शन के 66 वें स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

# दूरदर्शन ने समाज को वैचारिक रूप से समृद्ध करने और संस्कारों को संवारने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

**रायपुर,15 सितम्बर 2025।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित दूरदर्शन केंद्र में आयोजित दूरदर्शन के 66वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए और दूरदर्शन परिवार,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं दर्शकों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ी अपनी स्मृतियाँ साझा कीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दूरदर्शन के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य,गीत तथा शास्त्रीय संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। मुख्यमंत्री के समक्ष कलाकारों ने गौर नृत्य,बांस गीत, जवारा नृत्य,सुआ नृत्य और गौरी-गौरा जैसे लोकनृत्य प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दूरदर्शन ने मनोरंजन के साथ-साथ हमें वैचारिक रूप से समृद्ध करने और संस्कारित करने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने 1982 में एशियाई खेलों के रंगीन प्रसारण, रामायण और महाभारत जैसे धारावाहिकों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में दूरदर्शन का जादू ऐसा था कि प्रसारण के समय सड़कों पर सन्नाटा छा जाता था। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मिले सुर मेरा तुम्हारा जैसे गीतों के माध्यम से दूरदर्शन ने देश की एकता और सांस्कृतिक एकरूपता का संदेश दिया। समाचारों की गरिमा और भाषा की शुचिता बनाए रखने में दूरदर्शन की परंपरा सदैव सराहनीय रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दूरदर्शन के प्रादेशिक केंद्रों ने स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया है। रायपुर दूरदर्शन ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रमों और विशेषकर हमर चिन्हारी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया तक पहुँचाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दूरदर्शन परिवार को पुनः स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि दूरदर्शन इसी प्रकार आम जनता का मनोरंजन, संस्कार और जागरूकता का प्रमुख माध्यम बना रहेगा। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि दूरदर्शन ने छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी दूरदर्शन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को और अधिक सशक्त रूप से दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा। इस अवसर पर रायपुर दूरदर्शन केंद्र के उप महानिदेशक संजय कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

### दूरदर्शन ने समाज के हर वर्ग को जोड़ा : साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कृषि दर्शन, महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों और युवाओं के लिए प्रस्तुत विशेष सामग्री के माध्यम से दूरदर्शन ने समाज के हर वर्ग को जोड़ा है। उन्होंने अपनी मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सँभालने के बाद अपनी बात कार्यक्रम में दिए गए साक्षात्कार को याद करते हुए कहा कि दूरदर्शन हमेशा स्पष्टता से और विस्तारपूर्वक अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लाखों हितग्राहियों को मिल रहा है और दूरदर्शन के द्वारा समाज में आने वाले सकारात्मक बदलावों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसी एक व्यक्ति की सफलता की कहानी दूरदर्शन पर प्रसारित होती है, तो वह लाखों लोगों के जीवन को बदलने का सशक्त आधार बनती है।

# नाईट पार्टी में तेलीबांधा पुलिस की रेड

## हुक्का पॉट और विदेशी शराब की बोतलें जब्त

**रायपुर,15 सितम्बर 2025।** तेलीबांधा पुलिस ने देर रात एक निजी फार्म में छापेमार कार्रवाई की है। यहां पुलिस को बड़ी मात्रा में हुक्का पॉट और विदेशी शराब की बोतलें मिली है। मिली जानकारी के अनुसार, तेलीबांधा पुलिस को सूचना मिली की वीआईपी रोड स्थित एक निजी फार्म में नशे की पार्टी हो रही है। इसके बाद पुलिस की टीम फार्म में पहुंची। इस दौरान पुलिस ने देखा कि, फार्म में खुलेआम नशे की पार्टी हो रही है और इस पार्टी में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ दूसरे राज्य के लोग भी शामिल थे। पुलिस ने देर रात छापेमार कार्रवाई करते हुए आरोपी रविन्द्र सिंह चावला समेत एक अन्य को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान फ़ार्म में मौजूद लोगों ने पुलिस के साथ बदतमीजी भी की। तेलीबांधा पुलिस ने इस पार्टी में चरस और चिट्टा के उपयोग की जानें की आशंका जताई है। पुलिस की टीम ने फार्म से बड़ी मात्रा में हुक्का पॉट और विदेशी शराब की बोतलें जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों से पूछताछ कर रही है। ऐसा माना जा रहा है कि, पूछताछ में बड़े नाम सामने आ सकते हैं।

# केंद्रीय गृहमंत्री के वीडियो को लेकर कांग्रेस नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज,देर रात जमकर हुआ बवाल,सांसद भी थाना पहुंचे

**कांकेर,15 सितम्बर 2025।** छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में केंद्रीय गृहमंत्री के एक वीडियो को छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर डालने को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कांग्रेस नेता अजय भास्वानी ने अपने फेसबुक पेज पर केंद्रीय गृहमंत्री का वीडियो इस तरह अपलोड किया कि उसमें भ्रामक जानकारी फैल रही है। इसे लेकर भाजपा कार्यकर्ता थाने पहुंचे और दोषियों के खिलाफ स्रद्धक्रदर्ज करने की मांग की। हालांकि, शिकायत दर्ज कराने के 24 घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिससे भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिली। कार्यकर्ता भड़क उठे और थाने में ही बैठकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष, भाजपा जिला अध्यक्ष और अन्य स्थानीय नेता भी थाने पहुंचे।

विरोध की खबर सांसद भोजराज नाग तक पहुंची। सांसद ने रात के समय थाने का दौरा किया और पुलिस से तत्काल स्रद्धक्रदर्ज कर मामले में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। सांसद भोजराज नाग ने कहा कि शिकायत के 24 घंटे के भीतर कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े करता है और ऐसे कृत्य करने वालों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने थाना प्रभारी को हटाने और मामले की उच्च स्तर पर जांच कराने की भी बात कही।

**कांग्रेस नेता अजय भास्वानी के खिलाफ मामला दर्ज :** इस मामले में अंततः पुलिस ने कांग्रेस नेता अजय भास्वानी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। हालांकि, भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह कार्रवाई देर से की गई और उन्होंने पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए। कांकेर जिले में इस घटना के बाद राजनीतिक तापमान काफी बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर भी मामला गर्माया हुआ है और विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आ रहे हैं।

# पत्थलगांव में मानवता हुई शर्मसार:नर्स ने नवजात बच्ची को इलाज के बहाने दे दिया अपने परिचित दंपति को

**जशपुर/पत्थलगांव,15 सितम्बर 2025।** मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 13.09.2025 को प्रार्थी सुखदेव नाग उम्र 45 वर्ष, निवासी कोडेकेला घरजियाबथान थाना पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) ने थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया था, कि उसकी पहली पत्नी से 04 बच्चियां हैं। पहली पत्नी की मृत्यु के बाद लगभग डेढ़ वर्ष से दूसरी पत्नी दिलासो बाई उसके साथ रह रही है। जो कि गर्भवती थी, जिसे दिनांक 28.08.2025 को प्रसव पीड़ा होने पर शासकीय अस्पताल पत्थलगांव लाया गया, जहाँ उसी दिन पुत्री का जन्म हुआ। दिनांक 30.08.2025 को अस्पताल से छुट्टी मिलने के समय, प्रार्थी अपना सामान लेने चट्टानपारा पत्थलगांव गया हुआ था। वापस आने पर उसकी पत्नी ने बताया कि नर्स अनुपमा टोप्पो बच्ची को टीका लगवाने ले गई है और बताया कि बच्ची की तबियत ज्यादा खराब है, उसे इलाज हेतु बाहर भेजना पड़ेगा। उसके बाद कुछ कागजों में दस्तखत कराए गए। वहाँ दो लोग कोरबा से आए थे जिन्होंने अपना नाम निशिकांत मिंज एवं सुमन वानी मिंज बताया। उन्होंने कहा कि तुम्हारे पास पैसा नहीं है, हम लोग इलाज कराकर कुछ दिन में बच्ची वापस कर देंगे। प्रार्थी एवं पत्नी ने विश्वास कर लिया। काफी दिन बीतने के बाद बच्ची नहीं मिलने पर प्रार्थी, नर्स अनुपमा टोप्पो के पास गया, जो कि बच्ची के बारे में पूछने पर हर बार टाल देती थी। बाद में पत्थलगांव के ही एक व्यक्ति से जानकारी मिली कि बच्ची को तो निशिकांत एवं सुमन वानी मिंज को गोद दे दिया गया है और उनका पता भी बताया।

## वोट चोर-गद्दी छोड़ पदयात्रा...

# छत्तीसगढ़ में 3 दिन रहेंगे पायलट

**रायपुर,15 सितम्बर 2025।** कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट 16 सितंबर से 3 दिन के लिए छत्तीसगढ़ आएंगे। 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के जरिए रायगढ़ से भिलाई तक कांग्रेसियों के साथ पदयात्रा करेंगे। कई जिलों में मीटिंग भी लेंगे। कार्यक्रम को लेकर रूट चार्ट जारी किया गया है। इससे पहले, बिलासपुर में 9 सितंबर को कांग्रेस ने वोट चोर-गद्दी छोड़ सभा की थी, जिसमें सचिन पायलट की मौजूदगी में गुटबाजी नजर आई थी। पूर्व मंत्री डहरिया ने कहा था कि, कार्यकर्ता चमचे नहीं है। टीएस सिंहदेव पर भूपेश ने इशारे-इशारे में कहा था कि, वोट चोरी से सरकार गई, मत बोलना काम नहीं किया। वहीं, अमरजीत से माइक छीन लिया गया था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि,देशभर में मतदाता सूचियों में की गई गड़बड़ियों और चुनाव निष्पक्षता कराने की मांग है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)